{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 05 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 133
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,817.69
निफ्टी	-	25,776.00
सोना	-	1,59,440
चांदी	-	3,20,000
डॉलर	-	90.39

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

तुर्की के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

कोलकाता। कोलकाता एयरपोर्ट पर तुर्की एयरलाइंस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बताया जा रहा है कि उड़ान के दौरान विमान से अचानक धुआं निकलने की सूचना मिली, जिसके बाद कोलकाता एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग का फैसला लिया गया। यह विमान काठमांडू से इस्तांबुल जा रहा था। उड़ान के दौरान धुआं निकलने की आशंका से जुड़े इनपुट मिलते ही पायलट ने एहतियातन विमान को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतारने का निर्णय लिया। विमान में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। तुर्की एयरलाइंस के इस विमान में कुल 236 यात्री सवार थे। जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले महाराष्ट्र के मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार की रात दो विमान के विंग आपस में टकरा गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानमाल की क्षति नहीं हुई है। घटना उस समय हुई जब दोनों विमान में यात्रा सवार थे। हालांकि हादसे में सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

लड्डू मिलावट की जांच के लिए बनेगी कमेटी

हैदाराबाद। आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुमला लड्डू प्रसादम में मिलावट के मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने का फैसला किया है। राज्य के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने बताया कि इस कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर मामले में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में पूर्व टीटीडी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल, धर्मा रेड्डी और ओ. बालाजी पर आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों ने टेंडर नियमों में ढील दी और गुणवत्ता जांच के लिए तय बेंचमार्क को हटा दिया था। सरकार फिलहाल चार्जशीट का इंतजार कर रही है। वित्त मंत्री ने बताया कि रिपोर्ट में तिरुमला लड्डू में लार्ड, टैलो और फिश ऑयल जैसे संदिग्ध मिलावटी पदार्थों की पहचान हुई है।

जम्मू-कश्मीर में जैश के दो आतंकवादी मारे गए

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह मुठभेड़ मंगलवार से जारी थी। इस दौरान एक आतंकी को गोली लगी थी। दोनों आतंकवादी गुफा में छिप गए थे। सेना की व्हाइट नाइट कोर के तहत सीआईएफ डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद बसंतगढ़ इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। रामनगर के जाफर जंगल इलाके में छिपे आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग कर दी। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर चला गया।

कुछ ना कहना

सदन में घेराबंदी, विपक्ष की मोर्चाबंदी

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर विपक्ष का हंगामा...सत्तापक्ष और विपक्ष में आर-पार की लड़ाई

बोलने नहीं दिया...तो बोलने नहीं देंगे

संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के कक्ष में विपक्ष और भाजपा सांसदों के बीच बहस

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे के चलते बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई, जिसके बाद शाम 5 बजे सदन को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। हंगामे के कारण पीएम नरेंद्र मोदी का बुधवार शाम 5 बजे होने वाले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संबोधन भी टल गया। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपक्ष और भाजपा सांसदों के बीच भी बहस हुई है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। सत्तापक्ष और विपक्ष में आर-पार की लड़ाई देखी जा रही है। विपक्ष ने हंगामा करके संकेत दे दिया है कि बोलने नहीं दिया तो बोलने नहीं देंगे।

बजट सत्र के दौरान सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच जोरदार तकरार देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां राहुल गांधी अपने चीन सीमा विवाद वाले मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं, वहीं सरकार की तरफ से इसका जवाब दिया जा रहा है। इसी बीच एक दिन पहले भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर भी विपक्ष सरकार पर निशाना साथ साध रहा है। एक दिन पहले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया और आज वे लोकसभा में भी इस मुद्दे पर बोलने के लिए खड़े हुए। उनके भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने टेबल पीटकर और हंगामा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विपक्ष ने राहुल गांधी को बोलने देने के लिए नारेबाजी की और वेल में भी आ गए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- बालू जी, आप वरिष्ठ नेता है, ये आपको अच्छा लग रहा है? विपक्षी सांसद पोस्टर लेकर पहुंचे। इस दौरान स्पीकर ने कहा - विपक्षी सांसद मर्यादा तोड़ रहे हैं। आप शासन को झुका नहीं सकते। विरोध तर्कों से होता है। अहमति मुद्दों पर होती है। ये हंगामा करना ठीक नहीं है। बुधवार को फिर चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उड़ाए। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। सुबह सदन सिर्फ 5 मिनट चला और 12 बजे तक स्थगित हुआ। इसके बाद 12 बजे हंगामा होने पर दोपहर 2 बजे तक और 2 बजे दोबारा शुरू होकर 8 मिनट में ही रुक गया। शाम 5 बजे फिर शुरू होने के बाद भी हंगामे के चलते लोकसभा को कल सुबह 11 बजे तक स्थगित करना पड़ा।

भाजपा लिए महिलाएं केवल वोट बैंक- खड़गे

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 6062 शब्दों को अभिभाषण इस सरकार ने तैयार किया है। लेकिन कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है। मैं सदन में सिर्फ पांच जरूरी मुद्दे आपके सामने रखना चाहूंगा। मैं सामाजिक न्याय, सामाजिक सद्भाव, संसदीय लोकतंत्र पर हमला, अर्थव्यवस्था और किसानों मजदूरों की दिक्कतें और विदेश नीति की खामियां.. पर अपनी बात रखना चाहता हूं। खडग़े ने कहा, आपको यह बताना चाहता हूं कि इस सत्ता ने कितना समय देश की भलाई के लिए दिया है। कितना समय इन्होंने देश के बाहर बिताया। यह आप सबको मालूम है। सबसे पहले मैं सामाजिक न्याय पर बात रखूंगा। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सामाजिक न्याय के ताने-बाने को कमजोर किया है। उनके सांविधानिक हक-हकूकों पर चोट पहुंचाई है। राष्ट्रपति के अभिभाषण में महिला सशक्तिकरण पर बात हुई, लेकिन सच यह है कि महिलाएं भाजपा के लिए केवल वोट बैंक बनकर रह गई हैं। अगर मोदी वाकई महिलाओं का नेतृत्व आगे लाना चाहते हैं, तो सबसे महिला आरक्षण विधेयक पारित करते, इस पर शर्तें नहीं रखते। अगर आपको उन्हें शक्ति देनी है, तो आप ये विधेयक पास कर सकते हैं। उसको लागू कर सकते हैं। आप कहते हैं कुछ, करते हैं कुछ।

किताब पर वार

आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे है कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। राहुल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके। वहीं, लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर लिखी किताबें और नोट्स दिखाए। उन्होंने कहा इन किताबों में गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार की मक्कारी, गद्दारी, भ्रष्टाचार और अय्याशी का जिक्र है। निशिकांत की कोट की गई किताबों में एडविना एंड नेहरू, रेमिनिसेंस ऑफ द नेहरू एज, द रेड साड़ी, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर समेत दूसरी किताबें और नोट्स दिखाए।

मकर द्वार पर सस्पेंड सांसदों का विरोध प्रदर्शन

लोकसभा से निलंबित विपक्ष के 8 सांसदों ने पोस्टर लेकर विरोध जताया। पोस्टर पर लिखा- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड (प्रधानमंत्री ने समझौता किया)। पोस्टर पर पूर्व आर्मी चीफ नरवणे, पीएम नरेंद्र मोदी और जेफ्री एपस्टीन की तस्वीर थी। इन सांसदों को चेयर की तरफ पेपर उछालने की शिकायत पर पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किया गया है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर विपक्ष ने हंगामा किया।

दवा ने ले ली एक और जान, खांसी का सिरप पीने से 4 साल के बच्चे की मौत

नागपुर। पिछले साल मध्य प्रदेश में एक घटना हुई थी, जिसमें दूषित कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से 24 बच्चों की मौत हो गई थी। अब, एक और बच्चे की मौत हो गई है, जिसका पिछले चार महीनों से नागपुर के एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। इससे इस मामले में मरने वालों की संख्या 25 हो गई है। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत से पूरे देश में हड़कंप मच गया था। यह घटना पिछले साल सितंबर में हुई थी। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दूषित कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत हो गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद नागपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) आए थे और बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। अब, चार महीने बाद, कफ सिरप पीने के मामले में एक और मौत की खबर सामने आई है। इससे इस मामले में मरने वालों की संख्या 25 हो गई है। खबर है कि हर्ष यदुवंशी नाम के 4 साल के बच्चे को पिछले साल सितंबर में नागपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हर्ष यदुवंशी मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले का रहने वाला था। दूषित कफ सिरप पीने से सितंबर में हर्ष की तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उसे नागपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 128 दिनों तक ज़िंदगी के लिए लड़ने के बाद उसकी मौत हो गई। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, छोटे बच्चों में खांसी अक्सर बिना दवा के अपने आप ठीक हो जाती है। पर्याप्त आराम, ज़्यादा तरल पदार्थ लेना और अन्य गैर-दवा उपाय आमतौर पर प्राथमिक उपचार के रूप में पर्याप्त होते हैं।

एसआईआर के विरोध में ममता की अदालती लड़ाई; सुप्रीम कोर्ट में पहली बार किसी सीएम ने वकील की तरह रखीं दलीलें, बोलीं सीएम ममता

सिर्फ नाम काटने के लिए हो रहा एसआईआर, निशाने पर बंगाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली, जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं।

इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह ठोस उदाहरण दे रही हैं और प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरें भी दिखा सकती हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग केवल नाम हटाने के लिए किया जा रहा है। उदाहरण देते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जब कोई बेटी शादी के बाद अपने ससुराल जाती है, तो सवाल उठते हैं कि वह अपने पति का उपनाम क्यों इस्तेमाल कर रही है। उनके अनुसार, ऐसी कई महिलाओं के नाम एकतरफा तरीके से मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि फ्लैट खरीदने या निवास स्थान बदलने वाले गरीब लोगों के नाम भी हटाए जा रहे हैं। सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इन परिस्थितियों के बावजूद, अधिकारी ऐसे मामलों को गलत मानचित्रण बताकर अदालत के पूर्व निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सेना के संयुक्त अभियान में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आंतकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सेना ने एक संयुक्त अभियान में दो आतंकियों को मार गिराया है। फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि मारे गए आतंकी जैश-ए-मोहम्मद (जैम) से जुड़े हुए थे। जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने बसंतगढ़ इलाके में एक संयुक्त एनकाउंटर में 2 आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों को उधमपुर जिले में एक प्राकृतिक गुफा में जैश-ए-मोहम्मद (जैम) के दो आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिली। इसके बाद सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रामनगर के जाफर जंगल इलाके में सेना, पुलिस और सीआरपीएफ की जॉइंट सर्च टीमों ने आतंकवादियों को गुफा के अंदर ढूंढ निकाला, इसके बाद एक घंटे से अधिक समय तक जबरदस्त गोलीबारी हुई। उनके मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी को गोली लगी थी, लेकिन वह अपने साथी के साथ प्राकृतिक गुफा में भागने में कामयाब रहा। सेना के अधिकारियों ने बताया कि रात करीब 7.30 बजे जब आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, तब इलाके में फिर से गोलीबारी और जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई दी।

मेरे प्रिय मित्र
रोहित चाकपाक
को जन्मदिन की
हार्दिक-हार्दिक
शुभकामनाएं

शुभेच्छु :
देवेन्द्र सुलाखे

स्वागत...वंदन... अभिनंदन...

मान. डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

भूमिपूजन समारोह

मान. राकेश सिंह
लोक निर्माण विभाग मंत्री

कटंगी विधानसभा अंतर्गत
ग्राम उमरी , सावंगी,अर्जूनी, बाहकल मार्ग
लम्बाई 4.445 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य का भूमिपूजन

कटंगी विधानसभा अंतर्गत
बोपली से कोसमी मार्ग
लम्बाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य भूमिपूजन

दिनांकः: 5 फरवरी 2026 दिन गुरुवार की दोपहर 1 बजे बाहकल में कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वहीं दोपहर 3 बजे ग्राम कोसमी में कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

मान.गौरवसिंह पारधी
विधायक कटंगी

कार्यक्रम स्थल -
ग्राम बाहकल स्कुल ग्राऊंड और ग्राम कोसमी

विनीतः: कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि.(भ/स) संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

नपा के लिए नही आई अबतक 26 जनवरी ?

गणतंत्र दिवस बीत गया.. मोती तालाब के तिरंगे की अब तक सुध नहीं ली!!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मोती तालाब के सौंदर्य को निखारने और बालाघाट नगर की शान को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन व नगर पालिका द्वारा 26 जनवरी 2020 को मोती तालाब में आन बान और शान के साथ 80 फीट की ऊंचाई पर 21 फीट लंबाई एवं 14 फीट चौड़ाई का एक तिरंगा झंडा लहराया गया था।उस दौरान जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शोक के दिनों को छोड़कर अन्य सभी दिन यह तिरंगा झंडा लहरते रहने की बात कही गई थी ।लेकिन पिछले कुछ महीनों से देखने मे आ रहा है कि मोती तालाब की पार पर तिरंगा झंडा नहीं लहर रहा है।स्थानीय लोगो द्वारा बताया गया कि करीब 3 माह पहले झंडा निकाला गया था, जिसे अबतक वापस नही लगाया गया है।इसके पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी कटोरिया 26 जनवरी के पूर्व तिरंगा झंडा लगाए जाने की बात कही थी लेकिन वर्तमान समय मे चल रहे फरवरी माह के पहले पखवाड़े में भी मोती तालाब की पार पर

राष्ट्रीय ध्वज नही लहराया गया है। मतलब साफ है कि अधिकारी जिम्मेदार अधिकारी राष्ट्रीय ध्वज को मोती तालाब पर लहराने से कतरा रहे हैं या फिर शायद नगर पालिका के लिए 26 जनवरी अभी आई कि नहीं है।

25 दिन बीत जाने के बावजूद भी नही लिया मामले का संज्ञान

इस पूरे मामले को लेकर जब हमने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीड़ी कतरोलिया से मुलाकात करनी चाहिए तो उनसे कार्यालय में मुलाकात नहीं हो सकी। वही उनसे दूरभाष पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन कॉल रिसीव नहीं की।ज्ञात हो की इसके पूर्व 10 जनवरी 2026 को भी उन्हें इस मामले से अवगत कराया गया था इस पर उन्होंने 26 जनवरी के पूर्व मोती तालाब की पार में विधिवत रूप से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराने का भरोसा दिलाया था। लेकिन इस पूरे मामले को करीब 25 दिन भी जाने के बावजूद भी अब तक जिम्मेदारों ने इसकी कोई सुध नहीं ली है और अब तक मोती तालाब की पार पर राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक नहीं लहराया गया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि नगर पालिका अपनी नींद से कब बेदार होती है और कब मोती तालाब की पार पर राष्ट्रीय ध्वज लहराया जाता है।

दो माह बाद भी अज्ञात महिला की शिनाख्त नहीं

हत्यारा पुलिस की पकड़ से बाहर अब तक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवगांव के हांडा टोला स्थित छाप्पर झोड़ी नर्सरी जंगल से बरामद एक अज्ञात महिला की लाश का मामला अब भी रहस्य बना हुआ है। घटना को लगभग दो माह बीत जाने के बावजूद मृतिका की पहचान नहीं हो पाई है। जिसके चलते उसके हत्यारे तक पहुंचना भी पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। ज्ञात हो कि 7 दिसंबर 2025 को ग्राम देवगांव के हांडा टोला के समीप छाप्पर झोड़ी नर्सरी जंगल क्षेत्र से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया था। शव अत्यधिक सड़-गल जाने के कारण पूरी तरह कंकाल अवस्था में पाया गया था। शरीर पर चमड़ी न होने के कारण मृतिका का चेहरा एवं अन्य शारीरिक पहचान संभव नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार मृतिका की अनुमानित उम्र लगभग 30 वर्ष, ऊंचाई करीब 5 फीट 4 इंच बताई गई है। शव के पास से मृतिका के शरीर पर बैंगनी रंग का लोअर पाया गया था।जो पहचान का एकमात्र आधार बना हुआ है। शव को पोस्टमार्टम हेतु मेडिकल कॉलेज जबलपुर भेजा गया था। पोस्टमार्टम एवं मर्ग जांच उपरांत पुलिस द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मामला हत्या का है। इसके बाद अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। हालांकि, मृतिका की पहचान एवं उसके निवास स्थान का पता नहीं चल पाने के कारण पुलिस अब तक आरोपी तक नहीं पहुंच सकी है। बिरसा पुलिस पिछले दो माह से मृतिका के वारसानों एवं परिजनों की तलाश में जुटी हुई है, किंतु अब तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है।अज्ञात महिला की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बालाघाट जिले के समस्त थानों को सूचना भेजी गई है। इसके साथ ही जिले की सीमाओं से लगे छत्तीसगढ़ राज्य के थानों को भी इस संबंध में अवगत कराया गया है। ताकि किसी भी प्रकार की गुमशुदगी की रिपोर्ट से महिला की पहचान मिल सके।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतिका की पहचान और उसके पारिवारिक जानकारी मिलने पर ही हत्या के कारणों और आरोपियों तक पहुंचना संभव हो पाएगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है और क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। बिरसा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को भी इस महिला के संबंध में कोई जानकारी हो, तो वे तत्काल निकटतम पुलिस थाने या बिरसा थाना पुलिस को सूचित करें, ताकि मामले का खुलासा किया जा सके और मृतिका को न्याय दिलाया जा सके।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 6 बच्चे हार्ट सर्जरी के लिए जबलपुर रवाना

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से होगा नि:शुल्क इलाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत हृदय रोग से पीड़ित 6 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रवाना किया गया है। इन सभी बच्चों का इलाज मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत पूर्णत: नि:शुल्क किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में आरबीएसके योजना के अंतर्गत बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसी क्रम में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ उपचार के लिए जबलपुर स्थित चिकित्सा संस्थान भेजा गया है, जहां उनकी हार्ट सर्जरी की जाएगी। जिन बच्चों को उपचार हेतु रवाना किया गया है, उनमें लांजी निवासी 3 वर्षीय अर्चना मात्रे, परसवाड़ा के ग्राम कुम्हारी निवासी 5 वर्षीय नूर बिसाने, खैरलांजी के ग्राम किन्ही निवासी 2 वर्षीय वंश बनोटे, लालबर्रा के रानीकुठार निवासी 9 वर्षीय श्री धुर्वे, वारासिवनी के लिंगमारा निवासी डेढ़ वर्षीय नाएसा डहाके, मोहगांव लालबर्रा निवासी 01 वर्षीय जीत बनवाले तथा लामता गुडरू निवासी 2 माह की नेनसी गजभिये शामिल हैं। सभी बच्चों को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डीईआईसी) बालाघाट के प्रबंधक श्री राजाराम चक्रवर्ती की उपस्थिति में आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ जबलपुर के लिए रवाना किया गया। इस दौरान बच्चों के परिजनों को उपचार प्रक्रिया एवं योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का महंगा इलाज भी नि:शुल्क संभव हो पा रहा है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि किसी बच्चे में जन्मजात हृदय रोग के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें ताकि समय रहते उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

गर्रा मशीनटोला में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती

649 वी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला स्तर पर 1 फरवरी रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई थी।जिसके बाद जयंती विशेष के कार्यक्रम रोजाना ही तहसील व ग्रामीण स्तर पर अलग अलग जगह आयोजित किए जा रहे है।जहां संत रविदास जी की 649 वी जयंती पर जगह-जगह प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयकारे लगाए जा रहे है।तो वहीं जगह-जगह पूजा,अर्चना ,हवन, पूजन, मंचीय कार्यक्रम, सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व भंडारे का वितरण व विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन देर शाम तक चलते रहे।इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम पंचायत गर्रा स्थित मशीन टोला के संत गुरु रविदास जी चौक में भी सामाजिक बंधुओं द्वारा संत रविदास जी की जयंती धूमधाम के साथ मनाई।जहा जयंती विशेष पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां सुबह से ही सामाजिक बंधुओं द्वारा संत रविदास चौक में विशेष पूजा अर्चना हवन सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए, वहीं मंचीय कार्यक्रम का आयोजन कर गीत, संगीत, कविता पाठ, आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

माल्यापर्ण कर किया गुणगाण

गर्रा मशीनटोला स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी चौक,पर सामाजिक बंधुओं ने संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका गुणगान किया। वही सामाजिक बन्धुओ ने उनके जयकारे लगाए। जहा पूजा अर्चना के तुरन्त बाद मंचीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहाँ मंची कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए ,उनका गुणगान किया। तो वही उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का भी संकल्प लिया।

सामाजिक एकता का दिया सन्देश

आयोजित कार्यक्रम में सामज के बच्चो द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसके उपरांत गीत संगीत नृत्य प्रस्तुत किए गए।वही सामुहिक रूप से भजन कीर्तन पूजन संतों की वाणी का वचन कर प्रसाद वितरण किया गया। जहां आयोजित कार्यक्रम के अंत में भोजन(भंडारा),का वितरण कर जयंती का समापन किया गया।आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और मुख्य वक्ताओं ने सामाजिक बंधुओ को संबोधित करते हुए सभी को साथ लेकर चलने, मिलजुल कर रहने और समाज संगठन में एकता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि एकजुट रहकर ही समाज संगठन का उत्थान किया जा सकता है। उन्होंने आगामी समय में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक कार्यों के आयोजन, व्रहद स्तर पर किए जाते की भी बात कही।इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर भियालाल बारेकर, जिला सदगुरू रविदास जी सामाजिक संगठन महामंत्री लालदास बारेकर, समाजसेवी गोवर्धन पारधी,प्रचार मंत्री छबिलाल भोंडेकर,संगठन मंत्री अनिल बारेकर, एके मोहेश्वर,दिलीप कनोजे,योगराज भोंडेकर, सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य

कटंगी व खैरलांजी क्षेत्र में सम्राट राजा भोज जयंती का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी विकासखंड के ग्राम अतरी एवं खैरलांजी विकासखंड के ग्राम भंडारबोड़ी में पंवार क्षत्रिय समाज द्वारा कुलश्रेष्ठ सम्राट राजा भोज की जयंती एवं प्रतिमा स्थापना-अनावरण समारोह श्रद्धा, गरिमा और सामाजिक अनुशासन के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। दोनों ही स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पंवार समाज अपनी गौरवशाली परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और संगठनात्मक एकता को लेकर पूरी तरह जागरूक और सक्रिय है। 03 फरवरी को राजा भोज क्षत्रिय पंवार संगठन, खंड अतरी-सावंगी (कटंगी) के तत्वावधान में सम्राट राजा भोज की प्रतिमा स्थापना वर्ष के पावन अवसर पर धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम भंडारबोड़ी में ब्लॉक पंवार समाज द्वारा सम्राट राजा भोज की भव्य प्रतिमा की स्थापना कर विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: खेलकूद प्रतियोगिताओं से हुई, जिसमें समाज के युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात माँ गढ़कालिका का पूजन, राजा भोज प्रतिमा का विधिवत पूजन एवं माल्यार्पण किया गया। समापन महाप्रसादी के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान समाज की आस्था, संस्कार और अनुशासन साफ तौर पर देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय क्षत्रिय पंवार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी ने समाज में पोवारी बोली के संरक्षण, पारंपरिक रीति-रिवाजों और संस्कारों को जीवित रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि महासभा द्वारा देशभर में समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग किया जा रहा है, वहीं गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए कई निजी अस्पतालों में समाज के लोगों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने अपने उद्बोधन में समाज में बढ़ रही सामाजिक कुरीतियों, दिखावे और अनावश्यक आडंबर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने समाज में बढ़ते धर्मांतरण के मामलों पर गंभीरता से विचार कर प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता बताई। साथ ही गंगभोज एवं त्रयोदशी जैसे आयोजनों को सादगीपूर्ण, संस्कारित और समयबद्ध रूप से संपन्न करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज सुधार के लिए आगे आने वाले लोगों को जिला एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा तथा इस दिशा में खंड समितियों को स्पष्ट नियम बनाने के निर्देश भी दिए गए। इन ऐतिहासिक आयोजनों में पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती केसर बिसेन, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. लोमहर्ष बिसेन, जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र एल. कटरे, जिला कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र रहांगड़ाले, खैरलांजी ब्लॉक अध्यक्ष शैलेश पारधी, खंड अतरी अध्यक्ष राधेलाल रहांगड़ाले, भंडारबोड़ी अध्यक्ष रणजीत रहांगड़ाले सहित समाज के अनेक पदाधिकारी, मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं ग्राम-ग्राम से आए समाजबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बैहर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक /500/ अति कले. / वि.अधि. /2026 बैहर, दिनांक 16/01/2026

आम सूचना

(प्रारूप (ख) नियम 6(1))

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि शंकरसिंह विश्वास पिता स्व. पवित्र कुमार विश्वास उम्र 31 वर्ष जाति नमाशुद्र निवासी मोहगांव थाना मोहगावं तहसील छुईखदान जिला राजनांदगांव छ.ग. एंव मौमिता मंडल पिता संजीत मंडल उम्र 22 वर्ष जाति नमाशुद्र निवासी कलेगांव तहसील परसवाडा जिला बालाघाट विशेष विवाह अधिनियम, 1954 की धारा-5 के अंतर्गत द्वितीय अनुसूची में उल्लेखित प्रारूप में आशयित विवाह की सूचना/आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसकी प्रति इस पत्र के साथ संलग्न कर आपकी ओर प्रेषित है। आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत उक्त आवेदन पत्र में आवेदकगण ने अपने आप को अविवाहित होना दर्शाया गया है।

प्रकरण में दिनाँक 05/02/2026 को सुनवाई हेतु नियत है। अत: आप प्रकरण की नियत सुनवाई दिनांक 05/02/2026 को इस न्यायालय के समक्ष में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी
बैहर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने जारी की परीक्षा तिथि

प्रदेश भर में बनाए गए 386 परीक्षा केंद्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जिला उत्कृष्ट व मॉडल स्कूल एवं श्रमोदय आवासीय प्रवेश चयन परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा 8 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे से शुरू होगी और दोपहर 1 बजे तक चलेगी। श्रमोदय आवासीय प्रवेश परीक्षा में कुल 2 हजार 870 विद्यार्थी एवं जिला उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा में 80 हजार 699 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 386 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट www.mpsos.nic.in पर अपलोड कर दिए गए हैं। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि सभी परीक्षार्थी समय रहते अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए बोर्ड द्वारा कंट्रोल रूम की व्यवस्था की गई है। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए अभ्यर्थी दूरभाष क्रमांक 0755-2552106 पर संपर्क कर अपनी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

आवश्यकता है
दो छोटे बच्चों की देखरेख करने और घरेलू कार्य करने के लिये युवती की आवश्यकता है
आकर्षक वेतनमान
6269524236
9009712121

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

महिला सहित तीन व्यक्तियों ने की मारपीट, जान से मारने की धमकी भी दी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सेवती में एक महिला सहित तीन लोगों ने एक व्यक्ति को मारपीट कर घायल कर दिए। और उसे जान से खत्म करने की धमकी दे दी। यह घटना पटवारी के द्वारा खेत मे नाप करने के बाद लगाये गये कांटे को हटाने के विवाद को लेकर हुआ। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में लिमराज बावनकर उसके बेटे जितेंद्र बावनकर और कोतिका बावनकर के विरुद्ध मामला कायम कर जहां शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हेमंत बावनकर कर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनका लिमराज बावनकर के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। हेमन्त बावनकर का खेत पटवारी के द्वारा नाप करने के बाद कांटे लगा दिए गए थे। 3 फरवरी को सुबह 6ः00 बजे लिमराज बावनकर अपने बेटे जितेंद्र बावनकर के साथ,हेमंत बावनकर के खेत में लगाये गए कांटे को हटा रहे थे। तब हेमंत बावनकर और उसके पिता खेमराज बावनकर ने उन्हें काटा हटाने से मना किये। तभी लिमराज बावनकर उसका बेटे जितेंद्र बावनकर और कोतिका बावनकर तीनों हेमंत बावनकर को अश्लील गालिया देते हुए तीनो हेमंत बावनकर को हाथ भूसे से मारपीट कर दिए और रास्ते में काटा लगाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी।बीच बचाव के बाद हेमंत बावनकर रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर थाना पहुंचे।किरनापुर पुलिस ने हेमंत बावनकर के द्वारा की गई रिपोर्ट पर लिमराज बावनकर ,जितेंद्र बावनकर और कोतिका बावनकर के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है ।

नये आईजी 2011 में बालाघाट में बतौर डिप्टी कमांडेट रह चुके हैं
पूर्व आईजी संजय कुमार के कार्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता होगी
ललित शाक्यवार ने संभाली बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक की कमान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार के स्थानांतरण के बाद ललित शाक्यवार ने बालाघाट रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। 4 फरवरी को उन्होंने रेंज के पुलिस अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और इसके बाद मीडिया से चर्चा करते हुए अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। नव नियुक्त आईजी ललित शाक्यवार ने कहा कि बालाघाट उनके लिए नया जिला नहीं है। उन्होंने वर्ष 2011 में बालाघाट में डिप्टी कमांडेंट के रूप में भी सेवाएं दी हैं, जिससे वे जिले की भौगोलिक, सामाजिक और पुलिसिंग से जुड़ी परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि पुराने अनुभव के आधार पर वे यहां बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे। मीडिया से बातचीत में आईजी शाक्यवार ने जिले में पहले से चल रहे पुलिस के नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास और समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी सीनियर आईपीएस अधिकारियों की तबादला सूची के तहत बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार का स्थानांतरण पुलिस मुख्यालय भोपाल में पुलिस आयुक्त के पद पर किया गया है। उनके स्थान पर वर्ष 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी ललित शाक्यवार को बालाघाट रेंज का नया पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। ललित शाक्यवार ने 4 फरवरी को औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद आईजी ललित शाक्यवार ने

विभागीय अधिकारियों से मुलाकात की और इसके पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे इससे पूर्व भी वर्ष 2011 में बालाघाट जिले में डिप्टी कमांडेंट के रूप में सेवाएं दे चुके हैं, जिससे वे जिले की भौगोलिक स्थिति, सामाजिक परिवेश और सुरक्षा चुनौतियों से भली-भांति परिचित हैं। अपने सेवा अनुभव के बारे में जानकारी देते हुए आईजी शाक्यवार ने बताया कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक के रूप में सिवनी, कटनी, मुरैना और छतरपुर जिलों में कार्य किया है। इसके बाद पदोन्नति प्राप्त कर वे डीआईजी के रूप में छतरपुर रेंज में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब पदोन्नति के बाद उन्हें बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे मूल रूप से ग्वालियर, मध्य प्रदेश के निवासी हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक एवं वर्तमान भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार द्वारा बालाघाट रेंज में किए गए सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने विशेष रूप से नक्सलवाद के खिलाफ किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि बालाघाट को नक्सलमुक्त बनाने की दिशा में पुलिस ने सराहनीय कार्य किया है। भविष्य में इस तरह की विचारधाराओं को पनपने से रोकने के लिए और अधिक समन्वित प्रयास किए जाएंगे, जिसमें पुलिस के साथ-साथ समाज का सहयोग भी आवश्यक है।

जनता और पुलिस के बीच बेहतर तालमेल पर जोर

आईजी ललित शाक्यवार ने कहा कि जनता और पुलिस के बीच मजबूत और विश्वासपूर्ण संबंध होना अत्यंत आवश्यक है। आम नागरिक बिना भय के थानों में अपनी बात रख सकें, यह पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस को जनता के बीच रहकर मित्रवत व्यवहार के साथ कार्य करना चाहिए, जिससे छोटी-छोटी समस्याएं गंभीर अपराध में परिवर्तित होने से पहले ही सुलझाई जा सकें।

बालाघाट शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी

आईजी शाक्यवार ने बालाघाट जिले को शिक्षित जिला बताते हुए कहा कि यहां के युवा आज देश के विभिन्न हिस्सों में उच्च प्रशासनिक पदों पर कार्यरत हैं, जो जिले के बेहतर शैक्षणिक स्तर को दर्शाता है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि किसी को भी कोई समस्या, शिकायत या सुझाव हो, तो वे सीधे उनसे मिलकर अपनी बात रख सकते हैं।

बोर्ड परीक्षा को लेकर केंद्राध्यक्षों और कलेक्टर प्रतिनिधियों को सख्त निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी दिनों में शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय में परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष तथा कलेक्टर प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने परीक्षा के समय बरती जाने वाली सावधानियों और आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रश्न पत्रों को निर्धारित समय पर संबंधित थानों से प्राप्त कर पूर्ण सुरक्षा के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षाओं को व्यवस्थित, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से 4 जनवरी को स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागृह में जिलेभर के परीक्षा केंद्र अध्यक्षों, सहायक केंद्र अध्यक्षों एवं कलेक्टर प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी कुमार उपाध्याय ने सभी केंद्र अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि बीते वर्ष परीक्षा केंद्रों में कुछ तकनीकी और प्रशासनिक त्रुटियां सामने आई थीं, जिन्हें इस वर्ष किसी भी हाल में दोहराया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार बोर्ड के सभी नियमों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रश्न पत्रों की सुरक्षा और परिवहन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दिन केंद्र अध्यक्ष या सहायक केंद्र अध्यक्ष को संबंधित थानों में जमा प्रश्न पत्र सुबह 7 बजे प्राप्त करने होंगे। प्रश्न पत्र थाने से निकलने के समय से लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी अनिवार्य होगी। प्रश्न पत्रों को किसी भी स्थिति में सुबह 8ः30 बजे से पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचाया जाना आवश्यक है और वहां भी फोटोग्राफ लिया जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रश्न पत्र लाते समय रास्ते में कहीं भी रुकना प्रतिबंधित रहेगा। थाने से सीधे परीक्षा केंद्र तक पहुंचना होगा, ताकि किसी भी प्रकार की शंका या अनियमितता की संभावना न रहे। मोबाइल फोन को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि परीक्षा केंद्र से जुड़े सभी शासकीय कर्मचारी एवं अन्य स्टाफ परीक्षा अवधि के दौरान अपने मोबाइल फोन नियम अनुसार बंद कर सीलबंद अवस्था में रखेंगे। परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि परीक्षा केंद्रों में साफ-सफाई, बैठक व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। परीक्षा संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बीते वर्ष यह हुई थी त्रुटि

जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी कुमार उपाध्याय ने बीते वर्ष की एक गंभीर त्रुटि की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष कुछ परीक्षा केंद्रों में प्रश्न पत्र वितरण के बाद शेष बचे प्रश्न पत्रों को परीक्षा कक्ष में ही रख दिया गया था, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार बचे हुए प्रश्न पत्रों को बोर्ड के नियमानुसार सीलबंद कर सुरक्षित रखा जाएगा और आवश्यक प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों से अपेक्षा जताई गई कि वे पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे, ताकि बोर्ड परीक्षाएं शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सकें।

CHMO के संज्ञान में आते ही त्वरित कार्रवाई, पादरीगंज आयुष्मान आरोग्य मंदिर मामले में तीन कर्मचारियों का वेतन कटा

पद्मेश न्यूज। लामता। लामता उप तहसील के पादरीगंज ग्राम में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के बंद रहने का मामला जैसे ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्ट॥स्ल्ह) के संज्ञान में आया, वैसे ही विभाग ने बिना देरी किए तत्काल कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार उक्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर में तीन कर्मचारियों की पदस्थापना है, इसके बावजूद स्वास्थ्य केंद्र नियमित समय पर बंद पाया गया, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए ष्ट॥स्ल्ह द्वारा तीनों कर्मचारियों का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किए गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शासन के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर का रोज़ाना संचालन होना चाहिए, लेकिन पादरीगंज में यह केंद्र लंबे समय से अनियमित रूप से संचालित हो रहा था। इलाज और दवाइयों के लिए लोगों को दूर जाना पड़ रहा था।लापरवाही पर सख़्त संदेश ष्ट॥स्ल्ह की इस त्वरित कार्रवाई को विभागीय सख़्ती के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि भविष्य में यदि इस प्रकार की लापरवाही दोहराई गई, तो और भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जनता को मिली राहत कार्रवाई के बाद ग्रामीणों में यह उम्मीद जगी है कि अब स्वास्थ्य केंद्र नियमित रूप से खुलेगा और गांव के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

कलेक्टर ने नगरीय निकायों के अध्यक्षों एवं अधिकारियों की बैठक में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के निर्देश दिये

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिले के सभी नगरीय निकायों के अध्यक्षों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के नगरीय क्षेत्रों बालाघाट, वारासिवनी, मलाजखंड, कटंगी, बैहर एवं लांजी में शुद्ध पेयजल प्रदाय व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी श्री राहुल नायक, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, विधायक

प्रतिनिधि योगराज कारो लिल्हारे, वारासिवनी की अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, लांजी की अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, मलाजखंड के अध्यक्ष मानसिंह मेरावी सहित सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देश दिए कि सभी नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता की नियमित रूप से जांच की जाए तथा नल कनेक्शन और पाइप लाइन में होने वाले लीकेज की सतत निगरानी कर तुरंत सुधार कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां आवश्यकता हो, वहां नई पाइप लाइन बिछाने की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए। पेयजल की पाइप लाइन नालियों एवं सीवरेज के पानी के संपर्क में न आए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि जल प्रदूषण की समस्या उत्पन्न न हो। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में संचालित होटल एवं रेस्टोरेंट की नियमित जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां उपभोक्ताओं को केवल शुद्ध पेयजल ही उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में नगरीय निकायों द्वारा पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर भी विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

रंजीता टेकाम बनी डोंगरमाली सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी विधानसभा अंतर्गत डोंगरमाली सेक्टर की सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष रंजीता टेकाम को बनाया गया है। जिससे उनके परिचित लोगों में काफी हर्ष व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कांग्रेस के द्वारा लगातार सेक्टर ब्लॉक सभी स्तर पर कांग्रेस एवं उसके प्रकोष्ठ मोर्चा की तैनाती की जा रही है। ऐसे में डोंगरमली

सेक्टर सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष रंजीता टेकाम को प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल की संगीता कांकरिया के निर्देश पर जिला अध्यक्ष सेवादल रेशमा कुंभरे के द्वारा अनुशंसा कर बनाया गया हैं। इसमें जिलाध्यक्ष रेशमा कुमरे के द्वारा रंजीता टेकाम के निवास पर पहुंचकर उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया है जिसके बाद से लोगों में हर्ष व्याप्त है। इस अवसर पर सेवा दल के पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

प्रेमनगर प्रवेश मार्ग बंद होने से वार्डवासी और व्यापारी हुए परेशान
नाली निर्माण में लापरवाही के आरोप, पार्षद ने नगर पालिका पर उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल प्रेमनगर गली में नगर पालिका द्वारा किए जा रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर व्यापारियों और आम नागरिकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। एक माह से चल रहे निर्माण कार्य के दौरान नगर पालिका द्वारा अचानक पूरी सड़क बंद किए जाने से क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया, जिससे व्यापारियों का आक्रोश फूट पड़ा। व्यापारियों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना दिए मुख्य मार्ग को बीते दो से तीन दिनों से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इससे न केवल ग्राहकों की आवाजाही रुक गई है, बल्कि व्यापार पर भी सीधा और गंभीर असर पड़ रहा है। व्यापारियों ने नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका अब मनमाने तरीके से काम कर रही है। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि प्रेमनगर गली शहर का अत्यंत व्यस्त मार्ग है, जहां दिनभर लोगों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में पूरी सड़क को बंद कर देना समझ से परे है। उनका कहना है कि यदि नाली निर्माण आवश्यक था, तो वैकल्पिक व्यवस्था कर या आधी सड़क खोलकर कार्य किया जा सकता था, ताकि आमजन और व्यापारियों को परेशानी न हो।

नगर पालिका द्वारा शहर के वार्ड क्रमांक 27 सहित प्रेमनगर प्रवेश द्वार गली में किए जा रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्र में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। बीते एक से डेढ़ माह से चल रहे इस निर्माण कार्य के कारण वार्डवासी, व्यापारी और आम राहगीर लगातार परेशान हो रहे हैं। हालात उस समय और बिगड़ गए जब नगर पालिका ने नाली निर्माण के नाम पर प्रेमनगर पहुंच मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया। नाली निर्माण कार्य कुछ माह पूर्व शुरू किया गया था, लेकिन गुणवत्ता सही न पाए जाने के कारण काम को बीच में ही रुकवा दिया गया था इसके बाद लंबे समय तक नाली खुदी रहने से वार्डवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई घरों के सामने गंदा पानी भर गया, जिसे निकालने के लिए लोगों को मोटर लगवानी पड़ी। बीते दो से तीन दिनों से नगर पालिका द्वारा दोबारा नाली निर्माण शुरू किया गया है, लेकिन इस दौरान पूरे मार्ग को बंद कर देने से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

यह मार्ग वार्ड क्रमांक 25, 26 और 27 के नागरिकों के लिए प्रमुख आवागमन का रास्ता है। इसी मार्ग से व्यापारी वर्ग का व्यवसाय चलता है और नगर पालिका अध्यक्ष का आवागमन भी यहीं से होता है। स्थानीय वार्डवासी दीपक असाटी ने बताया कि उनकी दुकान के पास पिछले डेढ़ माह से नाली खोदकर छोड़ दी गई थी और निर्माण कार्य नहीं किया गया। अब जब काम शुरू हुआ है तो पूरा मार्ग ही बंद कर दिया गया, जिससे आवागमन ठप हो गया है और उनका व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर नगर पालिका का कोई कर्मचारी मौजूद नहीं रहता और ठेकेदार अपनी मनमर्जी से काम कर रहा है। नगर पालिका को पूरे कार्य की निगरानी करनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

पार्षद ने लगाए गंभीर आरोप

वार्ड पार्षद आशुतोष डहरवाल ने भी नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि नाली निर्माण के लिए पूरा मार्ग बंद कर देना गलत है, जिससे आमजन और व्यापारी अत्यधिक परेशान हैं। उन्होंने बताया कि बीते दो महीनों से नाली निर्माण के दौरान जेसीबी से खुदाई किए जाने के कारण पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे वार्ड के कई घरों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। पार्षद ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान न तो नगर पालिका का कोई इंजीनियर मौके पर पहुंच रहा है और न ही कर्मचारी। ठेकेदार मनमाने ढंग से काम कर रहा है। उन्होंने इंजीनियर पर भी लापरवाही के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे वार्डवासियों के हितों की बजाय ठेकेदार को लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इस पूरे मामले में उन्होंने विभाग से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। वार्डवासियों और व्यापारियों ने नगर पालिका से मांग की है कि मार्ग को जल्द से जल्द खोला जाए, निर्माण कार्य को व्यवस्थित तरीके से कराया जाए ।

आस-पास की खबरें

जनता को छलने वाला बजट - नरेन्द्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। किसान नेता नरेन्द्र पटले ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गत दिवस केन्द्र सरकार के द्वारा पेश किया गया बजट पूरी तरह से जनविरोधी, दिशाहीन और आम जनता के साथ छलावा है। यह बजट किसानों, मजदूरों,

युवाओं, महिलाओं और मध्यम वर्ग की पीड़ा को समझने में पूरी तरह विफल रहा है। साथ ही यह भी बताया कि महंगाई आसमान छू रही है, बेरोज़गारी चरम पर है, लेकिन सरकार ने इन बुनियादी समस्याओं पर कोई ठोस रोडमैप देने के बजाय केवल आंकड़ों का खेल दिखाया है। श्री पटले ने बताया कि किसानों की लागत बढ़ रही है, खाद-बीज और डीज़ल महंगे हो चुके हैं, लेकिन एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे वादों पर बजट पूरी तरह मौन है। मनरेगा जैसी योजना, जो ग्रामीण-गरीबों की जीवनरेखा है, लेकिन बजट में वास्तविक बढ़ोत्तरी न होना यह साबित करता है कि सरकार को ग्रामीण भारत की चिंता नहीं है। साथ ही यह भी बताया कि युवाओं के लिए रोजगार सृजन के नाम पर केवल खोखले भाषण और योजनाओं की घोषणाएं की गई हैं। न तो स्थायी नौकरियों का जिक्र है, न ही भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर कोई भरोसा। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कटौती करके सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसका झुकाव आम आदमी की बजाय बड़े उद्योगपतियों की ओर है। यह बजट कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाला और सामाजिक न्याय की अवधारणा को कमजोर करने वाला बजट है। दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं और गरीब तबकों के लिए बजट में

वैकल्पिक व्यवस्था से मिली राहत, किन्तु डर बरकरार

क्षतिग्रस्त पुल का रमपुरी पंचायत ने करवाया मरम्मत कार्य

ग्रामीण एवं राहगीरों ने जल्द नवीन पुल का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत सिहोरा से रमपुरी के बीच नाले के ऊपर बना पुल पिछले दो वर्षों से बदहाली का दंश झेल रहा है। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण इस मार्ग से लोगों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो चुका था। वहीं कुछ लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे थे किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में हो रही परेशानियों को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद पंचायत के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत क्षतिग्रस्त स्थान पर बोरी बंधान एवं मिट्टी डलवाकर मरम्मत कार्य करवाई है, जिससे फिलहाल छोटे वाहनों और राहगीरों का आवागमन शुरू हो गया है। लेकिन यह राहत अस्थायी है यानि की यह सुविधा कुछ महीनों की है, अगर बारिश के पूर्व नवीन पुल का निर्माण नही किया गया तो पहली बारिश में ही मिट्टी बह जायेगी और स्थिति जस की तस हो जायेगी। जिससे सिहोरा, रमपुरी सहित आधा दर्जन ग्रामों का संपर्क टूट सकता है। ऐसी स्थिति में अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करना पड़ेगा। जिससे सबसे अधिक परेशानी पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को होगी इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से जल्द नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की है। वहीं उक्त कार्य बारिश के पूर्व नही होने पर ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन को उग्र आंदोलन एवं कठोर कदम उठाने की चेतावनी भी दी है।

बारिश के पहले स्थायी समाधान की उठी मांग

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग के बीच से नाला गुजरा है और विगत वर्ष पूर्व नाले के ऊपर मंडी निधि से लाखों रूपयों की लागत से सड़क निर्माण के साथ ही नाले के ऊपर पुल का निर्माण किया गया था। जिससे ग्रामीणजन व राहगीर आवागमन करते थे परन्तु पुल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण दो वर्ष पूर्व तेज बारिश व नाले में बाढ़ आने से पुल व रिर्टनिंगवॉल पुरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर ढह चुकी है। जिसके बाद से इस पुल के ऊपर से आवागमन बंद हो चुका था और कुछ लोग क्षतिग्रस्त पुल के बाजू से नाले के अंदर से आना-जाना करते है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। वहीं दो वर्ष से ग्रामीणजन एवं राहगीर इस क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे है ,लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। जिससे ग्रामीणजनों में जिम्मेदारों के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने से किसानों, विद्यार्थी एवं राहगीरों को हो रही परेशानियों को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिम्मेदार लोग हरकत में आये और वैकल्पिक व्यवस्था के तहत क्षतिग्रस्त पुल का मरम्मत कार्य पंचायत के माध्यम से करवाई गई है। वहीं क्षतिग्रस्त पुल का कच्चा मरम्मत कार्य होने से वर्तमान में आवागमन शुरू हो चुका है किन्तु पहली बारिश में नाले में पानी बहने पर मिट्टी बह जायेगी जिससे समस्या जस की तस हो जायेगी। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से गुणवत्तापूर्ण नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

पुल का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - श्यामलाल

दूरभाष पर चर्चा में रमपुरी सरपंच श्यामलाल मानेश्वर ने बताया कि सिहोरा से रमपुरी के बीच पंचायत के समीप से गुजरे नाले के ऊपर बना पुल दो वर्ष पूर्व क्षतिग्रस्त हो चुका है। लेकिन अब तक पुल का निर्माण नही किया गया है जिससे आवागमन करने में सभी को परेशानियां हो रही थी। पंचायत के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मरम्मत कार्य करवाया गया है जिससे आवागमन शुरू हो चुका है, लेकिन यह स्थायी समाधान नही है। श्री मानेश्वर ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक एवं प्रशासन को मांग पत्र सौंपकर नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की गई है, जल्द पुल का निर्माण नही हुआ तो बारिश में मरम्मत कार्य की मिट्टी बह जायेगी, जिससे आवागमन बंद हो सकता है। जिससे आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन, रहागीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग स्थित नाले के ऊपर बने क्षतिग्रस्त पुल का जल्द नवीन निर्माण करवाये।

कक्षा 11 वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

सांदीपनि स्कूल में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल में कक्षा 11 वीं के विद्यार्थियों के द्वारा 4 फरवरी को विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे एवं शिक्षकगणों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। विदाई कार्यक्रम में कक्षा ग्यारहवीं के जूनियर विद्यार्थियों द्वारा अपने सीनियर बारहवीं के छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर अभिनन्दन कर उपहार प्रदान किया। तत्पश्चात बारहवीं के छात्र-छात्राओं ने गुब्बारा फुलाओं, प्रश्नमंच प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा गीत, नृत्य व नाटक की मनमोहक प्रस्तुति दी।

सौंपी गई ज्ञान की मशाल

इस विदाई कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण वह था जब कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम के अंत में कक्षा 11 वीं के छात्र-छात्राओं को 'ज्ञान की मशाल' सौंपी। यह मशाल स्कूल के अनुशासन और शैक्षणिक श्रेष्ठता को निरंतर बनाये रखने का प्रतीक है। वहीं कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने विद्यालय के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए आगामी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन करने का संकल्प लिया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य व शिक्षकों ने विद्यार्थियों से कहा कि वार्षिक परीक्षाएं अत्यंत निकट हैं, अत: विद्यार्थी अपनी पढाई पर विशेष ध्यान दे और अच्छे अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम रौशन करने की शुभकामनाएं दिये। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जाम के शासकीय उच्च. माध्यमिक विद्यालय में कैरियर मेला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आयुक्त लोक शिक्षण समग्र शिक्षा अभियान सेकेंडरी एजुकेशन भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम लालबर्रा मैं अध्यनरत कक्षा नवमी से कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय कैरियर मेला एवं कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस पांच दिवसीय कैरियर मेला एवं कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से मुख्य वक्ताओं के द्वारा कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं को प्रशासनिक सेवाओं के क्षेत्र में कैरियर बनाने की बारीकियों से अवगत करवाया। जिसमें उन्होने बताया कि सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कैसे शुरू करें, एनडीए, सीए, स्टेट सर्विसेस सहित अन्य बड़ी परीक्षा की तैयारी कर अपना भविष्य बेहतर कैसे बना सकते है उसके बारे में आवश्यक जानकारियां प्रदान की। साथ ही उपस्थिति अधिकारियों ने सफलता का मंत्र भी विद्यार्थियों से सांझा किया। चर्चा में स्कूल प्राचार्य आरसी बिसेन ने बताया कि इस पांच दिवसीय कैरियर मेले में प्रथम दिन प्रशांति ट्यूटोरियल लालबर्रा के संचालक अंकित हरिद्वार द्वारा विद्यार्थियों के भविष्य के तैयारी संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही वेबीनार के माध्यम से भी कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वहीं दुसरे दिन विद्यार्थियों को वेबीनार के माध्यम से कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया गया, तीसरे दिन शाला में बृहद कैरियर मेले का आयोजन किया गया जिसमें शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा से डॉक्टर देवराज चौरे एवं डॉक्टर ऋषिकेश पटेल, कम्प्यूटर संचालक हेमंत मुदलियार, ब्लॉक करियर काउंसलर विपिन सोनी, ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रबंधक स्नेहिल वघाडे वन विभाग लालबर्रा से वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रीमती सीता भलावी, डिप्टी रेंजर पी. टी. सोनवंशी ने छात्र-छात्राओं को कौशल आधारित, व्यवसाय आधारित, उच्च शिक्षा, शासकीय सेवा एवं जीवन कौशल पर आधारित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वहीं उपस्थित काउंसलर्स द्वारा प्रदान व्याख्यान से छात्र-छात्राओं को भविष्य की तैयारी एवं शासकीय सेवाओं से संबंधित कैरियर विकल्पों की जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य आर.सी. बिसेन, नोडल श्रीमती ममता शरणागत, विनय दमाहे, जे.के. कुतराहे, डी.पी. मानेश्वर, श्रीमती जयश्री नगपूरे, श्रीमती पी. सोनवाने, श्रीमती पी. बघेले, कु. हेमा भलावे, विवेक शुक्ला, डी.के. ब्रह्मवंशी, एल.आर. रंगारे, एस.के खोब्रागढ़े, सुनील शर्मा, श्रीमती गीता गुप्ता, श्रीमती आशा बनोथे, श्रीमती ई. बिसेन, व्यावसायिक शिक्षक भूपेंद्र बिसेन, रविन्द्र नागेश्वर सहित सभी अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

14 धान खरीदी केन्द्रों में साढ़े चार लाख क्विंटल से ज्यादा धान की हुई खरीदी

परिवहन नही होने से खातों में नही आ रहे पैमेन्ट, किसान परेशान, शेष बचे परिवहन को तीव्र गति से करवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलवाने एवं दलालों व बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गत 1 दिसंबर से 20 जनवरी तक मार्केटिंग एवं सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की गई है। इसी तरह लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य में धान खरीदी के लिए 14 धान खरीदी केन्द्र बनाये गये थे और उक्त समिति के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के 9742 किसानों ने अपनी उपज विक्रय करवाने के लिए पंजीयन करवाया था। जिसमें से करीब साढे नौ हजार किसानों ने 20 जनवरी तक 2369 रूपये प्रति क्विंटल की दर से अपनी उपज विक्रय किये है। इस तरह से लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा के अंतर्गत बनाये गये 14 खरीदी केन्द्रों में 4,64,540 क्विंटल 80 किग्रा. धान की खरीदी की गई है। लेकिन खरीदी कार्य समाप्त होने के करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी अधिकांश खरीदी केन्द्रों से धान का परिवहन पूरी तरह से नही हो पाया है। जिसके कारण किसानों के खातों में पैमेंट नही आया

है और किसान पैमेंट के लिए बैंक का चक्कर लगा रहे है। वहीं कुछ किसानों को उपज विक्रय किये करीब एक माह होने लगे है और अपना-काम धंधा छोड़कर रोजाना सेवा सहकारी समिति एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक पहुंचकर खाते में रूपये आने की जानकारी लेने पहुंच रहे है। लेकिन खाते में रूपये नही आने के कारण बिना रूपये निकाले बैरंग वापस होना पड़ रहा है। जिससे वे परेशान हो रहे है इसलिए किसानों ने शासन-प्रशासन से खरीदी केन्द्र में डम्प धान का जल्द परिवहन करवाकर खाते में भुगतान करने की मांग की है।

पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 40,685 क्विं. 60 किग्रा. अधिक हुई धान खरीदी

आपकों बता दे कि बालाघाट जिला धान प्रधान जिला है और जिले के किसानों के द्वारा खरीफ एवं रबी सीजन में धान की फसल का उत्पादन लिया जाता है। लेकिन सरकार के द्वारा सिर्फ खरीफ सीजन में लगने वाली धान की फसल को

समर्थन मूल्य में खरीदी करती है। शासन के निर्देशानुसार गत 1 दिसंबर से पुरे प्रदेशभर में समर्थन मूल्य में धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो गया था। इसी निर्देश के परिपालन में लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा के अंतर्गत 14 धान खरीदी केन्द्र बनाये गये थे जहां पंजीकृत 9742 किसानों में से करीब साढे नौ हजार किसानों से 4,64,540 क्विंटल 80 किग्रा. धान की खरीदी की गई है। जबकि पिछले वर्ष 4,23,855 क्विंटल 20 किग्रा. धान की खरीदी हुई थी। इस तरह से पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 40,685 क्विंटल 60 किग्रा. धान की अधिक खरीदी हुई है। जिससे ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष फसल उत्पादन पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक हुई है। वहीं धान खरीदी समाप्त हुए करीब 15 दिन होने लगे है लेकिन खरीदी गई धान का परिवहन पुरी तरह से नही होने से किसानों के साथ ही समिति के खरीदी प्रभारी एवं प्रबंधक परेशान है। इसलिए खरीदी केन्द्र में विक्रय करने वाले किसान एवं समिति प्रबंधकों ने जल्द धान का परिवहन करवाकर किसानों के खातों में भुगतान करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

शेष परिवहन को तीव्र गति से करवाये प्रशासन - लिल्हारे

दूरभाष पर चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि शासन के निर्देश पर गत 1 दिसंबर से 20 जनवरी तक 14 धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी की गई है। जिसमें पंजीकृत 9,742 किसानों में से करीब साढे नौ हजार किसानों से 4,64,540 क्विं. 80 किग्रा. खरीदी की गई है एवं जैसे-जैसे परिवहन हो रहे है उसके अनुसार किसानों के खातों में भुगतान आ रहे है। श्री लिल्हारे ने बताया कि पिछले वर्ष के अनुरूप इस वर्ष 40 हजार क्विंटल से अधिक धान खरीदी हुई है किन्तु कुछ खरीदी केन्द्रों में

अब भी धान डम्प पड़ा हुआ है इसलिए प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति से परिवहन करवाये ताकि समय पर किसानों के खातों में भुगतान आ सके।

कार्य के नाम पर केवल बिछाई गिट्टी, जिम्मेदार ठेकेदार अधिकारी मौन

स्वीकृति के 2 वर्ष बाद भी नहीं बनी कोस्ते से मदनपुर सड़क

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते से मदनपुर मार्ग का निर्माण कार्य २ वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं हो पाया है। जहां पर किसानो राहगीर सभी को आवागमन करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सड़क स्वीकृति को २ वर्ष बीत चुके हैं परंतु निर्माण कार्य के नाम पर केवल मार्ग में गिट्टी बिछा दी गई है। जिसके कारण हर किसी को दिक्कत हो रही है वर्तमान तक सड़क निर्माण कार्य बंद है। जहां ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, उनके द्वारा पीडब्लूडी विभाग की सड़क बताई जा रही है। जिसमें ग्रामीणों के द्वारा विभाग पर निष्क्रिय लापरवाह होने का आरोप लगाया जा रहा है। क्योंकि उक्त मार्ग का उपयोग किसान अपने खेतों में जाने के लिए राहगीर मदनपुर, कासपुर जाने के लिए उपयोग करते हैं। यहाँ दुर्घटना की प्रबल संभावना बनी हुई है क्योंकि मोटरसाइकिल और साइकिल ठीक से चल नहीं पाते है। जिस कारण लोग वाहन स्लिप होने दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल भी हो जाते हैं। वर्तमान में सबसे ज्यादा समस्या किसानों के साथ बनी हुई है क्योंकि वह प्रतिदिन आना जाना बड़ी संख्या में करते हैं। वहीं मार्ग किनारे बहुत ज्यादा खेती स्थित है जहां जाने के लिए किसान मवेशियों को भी इसी मार्ग से ले जाते हैं जिस पर डाली गई गिट्टी के कारण मवेशियों के पैर भी खराब हो रहे हैं। जिसको लेकर सभी ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है जबकि यह मार्ग के निर्माण की स्वीकृति से ग्रामीणों में बेहद खुशी का माहौल बना हुआ था जो अब निराशा में तब्दील हो गया हैं। जहाँ पूर्व से ज्यादा स्थिति वर्तमान में मार्ग की खराब हो गई है। ग्रामीणों के द्वारा मार्ग का जल्द निर्माण कर आवागमन सुगम बनाने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

२ वर्ष से स्वीकृत होने के बाद भी नही बनी सड़क-दुर्गेश

ग्रामीण दुर्गेश भोरगढ़े ने बताया कि यह मदनपुर रोड है २ वर्ष से यह बन रही है परंतु सड़क बनाने के नाम पर गिट्टी डाले हैं फिर कोई कार्य यहां पर नहीं किया गया है। यहां पर सड़क की स्थिति ठीक नहीं है आगे और ज्यादा खराब है पूरा बेकार सड़क हो गया है मोटरसाइकिल साइकिल से लोग अपने खेती के समान लाने और मदनपुर जाने के लिए मार्ग का उपयोग करते हैं। जहां वाहन स्लिप हो रहे हैं सबसे ज्यादा यह मार्ग खेतों के लिए उपयोग होता है जिसमें दिन में एक व्यक्ति तीन चार बार आना जाना कर लेता है। इस कारण यहां दुर्घटनाएं भी हो रही है रोड़ बनना चाहिए २ वर्ष से बन रहा है परंतु अभी तक बना नहीं है।

सड़क नही बनने से ग्रामीणों में आक्रोश है-रूपचंद

रूपचंद सोनवाने ने बताया कि यहां सड़क पर बहुत ज्यादा दिक्कत है यह मार्ग सीधे मदनपुर जाता है और इसके दोनों तरफ बड़ी संख्या में लोगों की खेती मौजूद है। जहां पर गांव के कई किसान आना जाना करते हैं तो वहीं किसान बैलगाड़ी लेकर या अपने मवेशियों को लेकर खेत में जाते हैं। यहां पर नीचे गिट्टी डाली गई है जो मवेशियों के पैर में फ ंस रही है कुछ मवेशियों को तो पैर में घाव बन गए हैं बहुत ज्यादा दिक्कत हो रही है। मार्ग पर हर किसी को समस्या है मोटरसाइकिल साइकिल आए दिन स्लिप होती है लोग दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। २ साल से यह रोड़ बन रहा है सुने हैं परंतु कभी काम करते लोगों को नहीं देखे मदनपुर तक ऐसी ही स्थित है बाकी आगे इससे और ज्यादा खराब सड़क है। हम यही चाहते हैं कि जल्द बने और सुविधा हो।

महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पंचायत खापा में २९ जनवरी २०२६ से ४ फरवरी २०२६ तक मेरा युवा भारत तथा डिजिटल साक्षरता के लिए युवा विषय पर आयोजित किया गया। शिविर के छटवा दिवस ग्राम पंचायत खापा में परियोजना कार्य के दौरान वार्ड नं ४ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खापा में भ्रमण कर जागरूकता अभियान चलाया गया। बौद्धिक सत्र के कार्यक्रम में १ बजे से श्याम सिंह धुर्वे पीएसआई होमगार्ड बालाघाट तथा समस्त स्टॉप के द्वारा सिविल डिफेंस और आपदा प्रबंधन के बारे में फायर एक्सटेन विशन, स्ट्रेचर फास्ट्रेक बॉक्स और साईबाबा पट्टी के बारे में तथा आवश्यक आपदा प्रबंधन संबंधित नंबर की संक्षिप्त जानकारी दी। इस दौरान अजय बैस सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार,नरेश धुवारे केरियर प्रक्षिक्षक,डॉ त्रिरत्नेश गजभिए,मोहनीश इड़पाचे,दोमदत्त सिंह मौजूद रहे। अजय बैस के द्वारा ग्रामीण विकास में युवाओं की भूमिका और जनसंचार माध्यमों का योगदान में युवाओं की भूमिका को बताते हुए समस्त युवाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई से जोड़ने हेतु प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से प्रत्येक स्वयंसेवक स्वयं के विकास के साथ साथ समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकता है। नरेश धुवारे के द्वारा पुलिस प्रशिक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी स्वयं सेवकों को प्रदान की। दोमद्त्त सिंह द्वारा ए आई साक्षरता को लेकर बताया कि ए आई का प्रयोग हमें सावधानी पूर्वक करना चाहिए क्योंकि ए आई द्वारा प्राप्त जानकारी हमेशा सही नहीं होती। हमें अन्य स्त्रोतों से भी अनुसंधान कर जानकारी को सत्यता के रूप में प्रकट करने की आवश्यकता है। मोहनीश इडपाचे के द्वारा ए आई साक्षरता में कहा की वर्तमान डिजिटल साक्षरता की दुनिया में ए आई का प्रयोग महत्वपूर्ण हो चुका है, मगर सावधानी पूर्वक गलत प्रयोग मानव के लिए विनाशकारी भी हो सकता है। त्रिरत्नेश गजभिए के द्वारा पर्यावरण जल एवं जैव विविधता संरक्षण में बताया कि जीवन को सहारा देने वाली प्रणालियों और आवश्यक पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को बनाए रखने की आज आवश्यकता है। पृथ्वी में पर्यावरण संरक्षण पशु संरक्षण समुद्री संरक्षण और मानव संरक्षण संरक्षण आवश्यक है । क्योंकि मनुष्यों ने पृथ्वी की अधिकांश भूमि और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है, जिसके परिणाम स्वरूप प्रदूषण पर्यावास विनाश और जलवायु परिवर्तन हुआ है। छटवा दिवस के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भ्रमण विशेष सहयोग दीपेश, विवेक मेश्राम, रजत सिरसाम,प्रज्ञांश गौरव, निलेश, पूजा घोडेश्वर समस्त स्वयं सेवकों की उपस्थिति में किया और अंत में कृष्णा पराते कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा एनएसएस इकाई की ओर से सभी उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

पांच दिवसीय कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को कैरियर संबंधी दिए सुझाव

मेंढकी स्कूल में कैरियर मेले का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंढ़की स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार पांच दिवसीय कैरियर मेले का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम असिस्टेंट प्रोफेसर लामता डॉक्टर सुनीता वैद्य के मुख्य आतिथ्य,विद्यालय प्राचार्य नंदा रंगारी की अध्यक्षता, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मिथिलेश्वरी घोरमारे, डॉ नरेंद्र डोंगरे, डॉ दोमदत्त सिंह, डॉ रवि कुमार रजक, करियर काउंसलर दुर्गेश टेंभरे, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष दिनेश कुमार कातरे, आयुष डॉक्टर रोशनी पारधी के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा सर्व प्रथम मां सरस्वती ,स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कैरियर मेले का प्रारंभ कर वर्तमान परिदृश्य में बेहतर जब रिप्लेसमेंट बेहतर तकनीकी शिक्षा बेहतर कैंपस सहित विभिन्न विषय जो भविष्य में छात्र छात्राओं के भविष्य को मजबूत बनाने और नया आयाम स्थापित करने वाले विषय के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारियां दी गई। वहीं शासकीय अशासकीय क्षेत्र में होने वाली प्रतिस्पर्धा एवं अवसर के बारे में जानकारियां दी गयी। डॉ सुनीता वैद्य ने कहा कि छात्र छात्राओं को सही निर्णय लेते हुए लक्ष्य निर्धारण करने चाहिए और उसे आत्मविश्वास के साथ प्राप्त करने की प्रेरणा अपने अंदर तैयार कर एक उत्तम नागरिक बनने हेतु लगातार प्रयास करना चाहिए। डॉ मिथिलेश्वरी घोड़मरे ने छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना कर सकारात्मक सोच रखते हुए संघर्ष कर लक्ष्य प्राप्त करने हेतु दिशा निर्देश देकर रुचि के आधार पर विषय का चयन करने प्रेरणा दी। वहीं दुर्गेश टेंभरे के द्वारा शिक्षा नीति २०२० की जानकारी देने के साथ सकारात्मक सोच रखते हुए एक अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा छात्र छात्राओं को दी। डॉक्टर दोमदत्त सिंह ने छात्र छात्राओं को महाविद्यालय के मेजर एवं माइनर तथा इलेक्टिव विषयों की विस्तृत जानकारी कर उनका कैरियर मार्गदर्शन हेतु विभिन्न प्रकार के लिंकए डाटा साइंस एवं एआई की जानकारियां विस्तार पूर्वक दी। डॉ नरेंद्र डोंगरे ने विद्यार्थियों को पहले अपना लक्ष्य धारण कर अपनी प्रतिभाओं को पहचान और उसे अपने लक्ष्य की ओर प्रेरित करने कहा। डॉक्टर रवि कुमार रजक ने कृषि क्षेत्र में अवसर योग्यताओं सहित विभिन्न नौकरियों के बारे में भी जानकारी दी साथी शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की जो छात्रवृत्तियां विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा अध्ययन करने के लिए दी जाती है उसकी जानकारी बताई गई। दिनेश कुमार कातरे ने विद्यार्थियों से सभी विषय को सामान अहमियत देते हुए अपनी शिक्षा को मजबूत और महसूस करने प्रेरित किया। वहीं पूर्व जॉइंट डायरेक्टर जवेंद्र नाथ बिसेन ने छात्र.छात्राओं से कठोर परिश्रम कर अपने विषय पर मजबूत पकड़ बनाने के लिए कहा। इस कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्राचार्य नंदा रंगारी के द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया तो वहीं इस पूरे कार्यक्रम में कैरियर गाइडेंस प्रभारी श्रीमती शीला बोरकर के द्वारा मंच संचालन किया गया। इस अवसर पर रामकिशोर बिसेन, प्रतिभा बिसेन, किशोर बिसेन, सचिन बिसेन ,द्वारका बिसेन सहित शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र.छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राज चौधरी के हरफनमौला खेल से बिलासपुर पंहुची सेमीफाइनल में

देवधर ट्राफी : नागपुर को मिली १३ रनों से शिकस्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अपने समय के जाने माने क्रिकेटर और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के विशेष प्रयासों से आयोजित ऑल इंडिया देवधर ट्रॉफी के पांचवें दिन नागपुर और बिलासपुर की टीमों के बीच हाई.वोल्टेज मुकाबला खेला गया। खेल के प्रति जुनून और उत्साह के बीच आज मैदान पर क्षेत्र के प्रमुख भाजपा मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। इसके पश्चात अतिथियों ने मैदान पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। राष्ट्रगान के सम्मानजनक आयोजन के बाद अतिथियों द्वारा टॉस करवाकर विधिवत मैच का शुभारंभ किया गया। इस दौरान किशोर अमुले , संदीप मिश्रा, मिलिंद नागपुरे ,वेद प्रकाश पटेल,चिरौंजीलाल पारधी,रुपेन्द्र सोनवाने ,सुनील झिलेपे,सचिन बिसेन ,अनिस मिश्राए किशोर बंसोड़क , जसवंत पटले उपस्थित रहे। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एस ई एस आर बिलासपुर की शुरुआत जयंत कैवर्त और पवन परनाते ने की। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए मात्र ४ रन जोडे और ४ रन के स्कोर पर जयंत कैवर्त ४ रन और ११ रन के कुल स्कोर पर पवन परनाते ७ रन पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद बिलासपुर का मध्यक्रम लडखड़ा गया और टीम ने २० रन पर ५ विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में राज चौधरी नाबाद ५५ रन और अतुल शर्मा ३६ रन, ने ४९ रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को १२४ रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया। नागपुर की गेंदबाजी में नागपुर की ओर से अविनाश जाधव ने सर्वाधिक ३ विकेट लिए, जबकि सत्यम भोयर ने २ विकेट, दिपेश पीए प्रभकिरत सिंह और अध्ययन रौथान ने १-१ विकेट चटकाए। १२५ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीटीसीए नागपुर की ओर से उपदेश राजपूत और सत्यम भोयर ने पारी की शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए २५ रनों की साझेदारी की। २५ रन के स्कोर पर सत्यम भोयर १ रन लेकर आउट हुए, जिसके बाद ३७ रन के कुल स्कोर पर सिद्धेश दांडेवार १० रन भी चलते बने। नागपुर के लिए उपदेश राजपूत ने २६ रन और शांतनु राजपूत ने २६ रनों का योगदान दिया। लेकिन बिलासपुर की कसी हुई गेंदबाजी के सामने पूरी टीम १९.१ ओवर में १११ रनों पर सिमट गई। बिलासपुर की ओर से अतुल शर्मा और कुशल ने ३-३ विकेट लिए, वहीं प्रवीण कुमार यादव और राज चौधरी ने २-२ विकेट लेकर नागपुर की कमर तोड़ दी। बिलासपुर की जीत के सूत्रधार रहे राज चौधरी को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ५५ रन नाबाद और २ विकेट के लिए पवन धुर्वे के द्वारा प्रायोजित मैन ऑफद मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। इसी मैच के दौरान राज चौधरी ने अपने करियर के १००० रन भी पूरे किए। राज चौधरी को मैन ऑफद मैच के लिए उपस्थित अतिथि गण एवं आयोजन समिति के द्वारा मैन ऑफद मैच दिया गया। राज चौधरी ने बताया कि मैच और रणनीति खिलाड़ी ने बताया कि पिच को देखते हुए उन्हें उम्मीद थी कि यह हाई स्कोरिंग मैच नहीं होगा। टीम का लक्ष्य १२०-१२५ रन बनाना था जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक हासिल किया। उन्हें अपनी गेंदबाजी पर पूरा भरोसा था कि वे इस स्कोर का बचाव कर लेंगे।

खिलाड़ी ने बालाघाट के दर्शकों की खूब प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी वे यहाँ फाइनल जीते थे और इस साल भी दर्शकों का वैसा ही शानदार समर्थन मिला। मैच के सफल आयोजन में अध्यक्ष राजा चौरसिया, सचिव संतोष आडे, कोषाध्यक्ष प्रबल जायसवाल, उपाध्यक्ष संजय बंटी मिश्रा, तरुण मोहरकर, सहसचिव मिथुन मिश्रा ,राहुल चौहान का विशेष सहयोग रहा। मैच का आंखों देखा हाल सानू सिंघई, आधार मोदी और सुनील पिपरेवाल ने सुनाया। अंपायरिंग मोहम्मद फारूक व अमन श्रीवास्तव ने की। जबकि स्कोरर योगेश वरकड़े, अभिषेक ठाकुर, सूरज बाडेबुचे व विजय यादव रहे।

सैनिक अकादमी से सैन्य सेवा में चयनित प्रतिभागियों का एसडीएम जायसवाल ने किया अभिनंदन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सैनिक अकादमी मेंहदीवाडा में अनुविभागीय दंडाधिकारी वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में सैन्य सेवाओं में चयनित ५ प्रतिभागियों का एवं उनके अभिभावकों का भव्य अभिनंदन समारोह पूर्वक किया गया। इस ऐतिहासिक शैक्षिक कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक प्रणय श्रीवास्तव अश्क, संजय रूसिया ,समाज सेवी एवं जिला राजपूत समाज के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा, विनय सुराना,गोपाल खंडेलवाल की गरिमापूर्ण उपस्थिति के साथ ही भारी संख्या में नागरिक, विद्याथी, प्रशिक्षणार्थी एवं मातृशक्तियां मौजूद रही। सैनिक अकादमी मेंहदीवाडा के संस्थापक शरद डेकाटे ,प्रशिक्षक सुरेंद्र सिंह बिसेन सेवा निवृत्त उप निरीक्षक सीमा सुरक्षा बल , कार्तिकेय जायसवाल एसडीएम के करकमलों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर भारत माता एवं वीणा वादिनि मां सरस्वती के चित्र का तिलक वंदन कर पुष्पहार अर्पित कर पूजन किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया गयाए। इसके पश्चात सैनिक अकादमी मेंहदीवाडा से पहलीबार विभिन्न सैन्य सेवाओं में चयनित हुए प्रशिक्षार्थी कु मीनू टेकाम,अंश बिसेन ,पंकज पटले,अमित दिगोरे,सागर खैरवार का पुष्पहार अर्पित कर तिलक वंदन कर अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी का मुंह मीठा कर उनके उज्जवल स्वर्णिम भविष्य की कामना व्यक्त करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि सैनिक अकादमी मेंहदीवाडा से पहले प्रयास में ही पांच प्रतियोगियों ने सैन्य सेवाओं में चयनित होकर अकादमी के साथ ही नगर, जिला एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया है। जिन्हें चयन में सफ्लता नहीं मिली है उन्हें भी निराश नहीं होना चाहिए। पुनः प्रयास करना चाहिए हो सकता है अपने प्रयास में कुछ कमी हो इसलिए उदास नहीं होकर पुनः दुबारा तिबारा प्रयत्न करते रहना चाहिए। परिश्रमए लगन एवं आत्म विश्वास से हमें सफलता प्राप्त होगी ही ।शरद डेकाटे और प्रशिक्षक सुरेंद्र बिसेन सहित अकादमी से संबद्ध सभी को इस सेवा कार्य हेतु बधाई दी। प्रशिक्षक सुरेंद्र बिसेन ने अकादमी द्वारा दिए जा रहे शारीरिक प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी एवं निकट भविष्य में सैन्य सेवाओं के साथ ही वन, सुरक्षा गार्ड, अग्नि शमन, पुलिस सेवा के प्रशिक्षण की विशेष कोचिंग किए जाने की जानकारी दी। संजय सिंह कछवाहा ने बैंक पोस्ट ऑफिस,पुलिस आदि विभिन्न सेवाओं हेतु कोचिंग की व्यवस्था एवं शारीरिक प्रशिक्षण के साथ ही बौद्धिक सामान्य ज्ञान प्रशिक्षण दिए जाने की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान हीरा सिंह चंदेल, मनीराम बिसेन, प्रदीप खंडेलवाल, मनोहर सिंह ठाकुर, रामेश्वर मसखरे, डी एल एडे, पंचम हनवत,योगेश कटारे,कमल पटले,अशोक दुबे, मनोहर बोकडे,नेमचंद्र लाखड़े उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल

बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

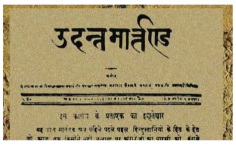

महीनों तक चले व्यापारिक तनाव, टैरिफ युद्ध और कूटनीतिक तल्खियों के बाद आखिरकार भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनना महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे जुड़े कई सवाल अभी अनुत्तरित ही हैं।

टैरिफ़ युद्धः समझौता और सवाल

महीनों तक चले व्यापारिक तनाव, टैरिफ युद्ध और कूटनीतिक तल्खियों के बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनना निस्संदेह एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके बावजूद, यह पूरा परिदृश्य जितना आशाजनक दिखता है, उतने ही सवाल भी इसके साथ जुड़े हुए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी का पारस्परिक टैरिफ लगाया था, जिसके बाद रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर अतिरिक्त 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क थोप दिया गया, जिससे कुल टैरिफ 50 फीसदी तक पहुंच गया था। जवाब में भारत ने व्यापार के संदर्भ में अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए दूसरे वैश्विक बाजारों की ओर रुख किया। नतीजा यह हुआ कि पिछले एक वर्ष में भारत अमेरिका से पहले ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते कर चुका है। भारत पिछले वर्ष से तमाम अड़चनों के

बावजूद अमेरिका के साथ भी व्यापार समझौते के लिए वार्ता जारी रखे हुए था, लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी के साथ महज एक फोन कॉल के बाद ट्रंप टैरिफ को कम करने के लिए मजबूर हुए, उससे यह मानने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए कि भारत के यूरोपीय संघ के साथ हुए ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते के बाद वह कई तरह के अंतरराष्ट्रीय और आंतरिक राजनीति के दबाव में थे। हालांकि ट्रंप का यह दावा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका से 500 अरब डॉलर के विभिन्न उत्पाद खरीदने का वायदा किया है, यह देखते हुए कि फिलहाल भारत अमेरिका से 50 अरब डॉलर से भी कम का आयात करता है, शंका ही पैदा करता है। भारत के आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी भले ही कम हो गई हो, लेकिन यह अभी भी कुल आयात का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। ऐसे में, ट्रंप का यह दावा भी, जिस पर अब तक भारत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, विश्वासयोग्य नहीं लगता कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करने जा रहा है। इसके अतिरिक्त अनाज, जीएम उत्पादों इत्यादि, जिनको विदेशी बाजार के लिए खोलने का भारत विरोध करता रहा है, उस पर समझौता क्या कहता है, यह भी अभी स्पष्ट नहीं है। हां, यह जरूर है कि प्रस्तावित 18 फीसदी का टैरिफ बांग्लादेश, श्रीलंका, और वियतनाम समेत कई दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से कम है। यह घोषणा भारत और अमेरिका को निस्संदेह भू-राजनीतिक रूप से फिर से एक साथ लाएगी। इसके बावजूद यह नहीं भूलना चाहिए कि व्यापार समझौतों की अपनी जटिलताएं होती हैं, ऐसे में, जब तक इससे जुड़े सवालों के स्पष्ट जवाब सामने नहीं आते, तब तक इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक सकारात्मक मोड़ मानना ही बेहतर होगा।

जीना इसी का नाम है

-वन्दितेश विलय (स्पीकर, लेखक एवं एथिक्स प्रशिक्षक)

हम शायद ग्रेटर नोएडा के गड्ढे में डूबे युवा की चीखों को भुला कर आगे बढ़ जाएंगे, पर समय हमसे विचलित करने वाले सवाल पूछता रहेगा। किसी की जान बचाना कोई कौशल या पानी के तापमान का विषय नहीं है, बल्कि जीवन में अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज कराना है और जीना इसी का नाम है।

चलिए लेख की शुरुआत उन दो घटनाओं से करें, जहां एक घटना ने भारतीय मध्यवर्ग के शहर में खिसकते और सिकुड़ते सामाजिक व्यवहार की छवि से पूरे देश को झकझोर डाला, वहीं दूसरी घटना ने भारत के गांवों में बसे जनमानस की सेवा और साहस के मूल्यों से हमें रूबरू कराया। ऐसा लगा, मानो साहस, सेवा और संवेदना जैसे मूल्य शहर की सीमाओं को छोड़ अब सिर्फ गांवों की परिधि में घूम रहे हैं। उस ग्रामीण जीवन में, जहां न्यूटन के ऑर्डरली कॉस्मोस के केंद्र में अब भी मनुष्य और उसकी जान की नैतिक उपस्थिति बनी हुई है और सारे मानवीय मूल्य एक खास परिधि में उसके ही इर्द-गिर्द घूम रहे हैं।

वे ईंट से शीशे को तोड़ते हैं और दोनों पायलट को सुरक्षित निकाल लेते हैं। हालांकि, उनमें से एक की तबीयत भी ठीक नहीं थी, पर उन्हें तो सिर्फ और सिर्फ जीवन और मृत्यु से लड़ते पायलट डूबते दिख रहे थे। और वे दोनों यह ठान बैठे थे कि वे उन्हें मरने नहीं देंगे, क्योंकि इन्सान की जान अब

दोनों घटनाओं में इन्सानों की जान सांसत में रही। दो पायलट अपने जहाज को लिए बहुत बड़े जलकुंभी में क्रैश कर जाते हैं, जो गहरा व फैला हुआ था और बहुत ठंडा भी। दोनों पायलट उस जहाज के अंदर कैद थे और शीशा भी बंद। तभी कुछ ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ती है। उनको बचाने के लिए, मनुष्य की जान की कीमत को सबसे ऊपर मानकर, गांव के दो व्यक्ति, पानी की शीतलता नहीं नापते, बल्कि बिना झिझके उस जलकुंभी में कूद पड़ते हैं। उनको तो उस समय बस एक ही बात समझ में आ रही थी कि कहीं वे पायलट हवाई जहाज संग डूब कर मर न जाएं और यह गांव की नजरों के सामने भला कैसे संभव हो पाता ? उन्हें यह मालूम था कि किसी की जान बचाने के लिए शिक्षा और अशिक्षा की दीवारें कभी बाधा नहीं बनतीं और न ही जन्म व मृत्यु का दर्शन उनकी बेड़ियां बन सकता है। उन्हें यह इल्म था कि वे, जो दूसरों को बचाना चाहते हैं, स्वतंत्र मुल्क के आजाद नागरिक हैं। उन्हें यह ज्ञान था कि अपनी जान बचाने से ज्यादा दूसरों की जान बचाना ही जीवन का दर्शन है। भी उनकी नजरों में सबसे कीमती थी। और जान बचाना सबसे बड़ा साहस। वे शहर की निष्ठुरता व चुप्पी से अपने गांव को डुबोना नहीं चाहते थे।

वहीं दूसरी ओर, इंटरनेशनल एयरपोर्ट की चकाचौंध में डूबे एनसीआर का शहरी जीवन उस लड़के को नहीं बचा सका, जो करीब दो घंटे तक मानव निर्मित दानवीय गड्ढे रूपी तालाब में अपनी कार संग डूबता रहा। उस स्थान से कुछेक सौ मीटर दूर टूट्टी पुलिया पर शहर की भीड़ जमा थी, मानो कोई शूटिंग चल रही हो और हर आदमी यह तय कर बैठा था कि पानी में किसी और के लिए भला वह क्यों कूदे। उधर डूबते पुत्र का पिता बार-बार मिन्नतें कर रहा था, पर शायद उन्हें उस धुंध में यह नहीं नजर आ रहा था कि जो भीड़ खड़ी है, वह उभरते शहर की थी, जो वीडियो तो बना सकती है, अफरा-तफरी तो दिखा सकती है, जमीन तो खरीद सकती है, पर वह पानी की शीतलता जानती है और यह भी कि औरों की जान सस्ती होती है। दो घंटे तक यह मानवीय क्रूरता की कहानी चलती रही। वह पिता असहाय दौड़ता रहा और शहर की निष्ठुर भीड़ जिसके लिए उसकी पत्नी और बच्चा ही %जय हिंद% हैं, बिना किसी हिचक के यह फैसला कर चुकी थी कि वह पानी में नहीं उतरेगी, और न ही उतरेगा उनकी निष्ठुरता का वह आवरण, जो शहर के उस सामाजिक व्यवहार की क्रूरता और उन चेहरों को बचा के रख जाता है, जिनके लिए सिर्फ अपनी जान की कीमत होती है, बाकी कुछ नहीं।

वह लड़का अपनी कार संग डूब गया और डूब गई मानवीयता भी। डूब गया वह सब कुछ, जो शहर के स्कूलों और कॉलेजों की किताबों में संवेदना, साहस और देखभाल जैसे मूल्यों के तौर पर भी छपा था। जो बचा, वह सिर्फ वीडियो था, वह निष्ठुरता थी, उस पिता की सूखी आंखें थीं, जो ठंडे तापमान के बिना भी जमना सीख चुकी थीं। इसी सर्द रात उस डूबते शहर को बचाने, वह कम पढ़ा-लिखा एक गिग वर्कर भी आया, पागलों की तरह शहर को आवाज देता रहा, और पानी में उतरने के लिए निकल पड़ा। पर किसी ने साथ नहीं दिया, आखिर किसी गांव और शहर के बीच एक सामाजिक व्यवहार की दूरी तो होती ही है। और वह अकेला उस लड़के को ढूंढता रहा, पर तब तक निस्तेज शहर के ठंडेपन से हारकर वह लड़का जल समाधि ले चुका था। वह कार और फोन, जो शहर के अभिन्न साथी हैं, उसके संग ही थे, क्योंकि उन्हें पता था कि वे फिर से ठीक हो सकते हैं। आदमी नहीं बचा, बाकी तमाशबीन भीड़ बच गई। किसी के लिए जीना और मरना किसी पाठ्यक्रम का विषय नहीं होता। पर सभी को मालूम था कि तैरना एक कौशल है तथा तमाशबीन बनकर नंगी आंखों से झांकना और खुद को बचाना भी एक सामाजिक कौशल है।

अंत में जिक्र उस घटना से जुड़े उन कर्मचारियों का भी, जिनके पास अपनी जान बचाने की तमाम संभावनाएं थीं और शायद समय व इतिहास उन व्यक्तियों को गलत नहीं ठहराता। लेकिन वे नहीं भागे। तमाम निकासी होने के बावजूद सारे कर्मचारी अपने अतिथियों को बचाने में लगे रहे। ग्राहक ही भगवान है, मानो उस दिन चरितार्थ हो रहा था। वे किसी शहर के प्रतिनिधि नहीं थे, बल्कि रतन टाटा के उन मूल्यों के सिपाही थे, जो टाटा और होटल ताज की दीवारों और मुंबई के शहरी जीवन से ज्यादा ऊंचा और मजबूत था। और बाद में 26/11 के आतंकी हमलों के दौरान मुंबई के मशहूर ताज होटल के कर्मचारियों की बहादुरी भरी प्रतिक्रिया हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में एक केस स्टडी बन गई है, जिसे हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर रोहित देशपांडे की मल्टीमीडिया केस स्टडी टेरर एट द ताज बॉम्बे: कस्टमर सेंट्रिक लीडरशिप में डॉक्यूमेंट किया गया है। उस अध्ययन से यह भी बात सामने आई कि उनमें से तमाम कर्मचारी उन छोटे शहरों या गांवों से आते थे, जहां अब भी मनुष्य के होने का बोध बचा था।

शायद कुछ दिनों बाद यह शहरी जीवन सब कुछ आसानी से भुला दे, लेकिन गुरुत्व पर स्थिर शहर से बार-बार समय यह पूछेगा कि अगर पानी ठंडा नहीं होता, भीड़ को अगर तैरना आता, तो उस गिग वर्कर के साथ कोई और भी पानी में कूदता क्या? उस पिता को कोई हौसला देता क्या? पता नहीं क्या होता? लेकिन कोई वस्तु मरती नहीं, मरते इन्सान और जानवर हैं; इसलिए कार तो बच गई, लेकिन वह लड़का डूब गया। मरता मनुष्य है और शायद शहर को इस देश से कुछ मुक्त करने और डूबने से बचाने लिए दूर गांव में उन दो पायलटों की जान बचाकर उन ग्रामीणों ने यह बताया कि किसी की जान बचाना कोई कौशल या तापमान का विषय नहीं, बल्कि जीवन में अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज कराना है और जीना इसी का नाम है।

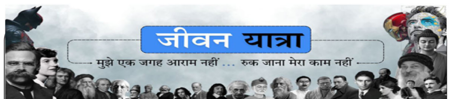

-एपीजे अब्दुल कलाम

पृथ्वी पर हमारी उपस्थिति केवल देह तक सीमित नहीं, बल्कि हमारे भीतर विद्यमान मूल तत्व की निरंतरता को इंगित करती है। संपूर्ण मानव जाति से हमारा संबंध है, क्योंकि मानवता के भीतर एक ही परम तत्व व्याप्त है।

हमारा जीवन केवल शरीर तक सीमित नहीं

मेरे लिए मुक्ति का अर्थ सबसे पहले अज्ञान के अंधकार को दूर करना है और उसके बाद मन में जमी उन विकृतियों को खत्म करना है, जो जीवन के मूल तत्व को ढक लेती हैं। मनुष्य का जीवन एक सतत विकास यात्रा है, जिसे हम तीन चरणों में समझ सकते हैं। पहला चरण है-परम तत्व की उपस्थिति का बोध। दूसरा चरण है-उस परम तत्व के साथ सह-अस्तित्व का अनुभव, जहां हम यह समझने लगते हैं कि हमारा जीवन किसी एक शरीर तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक चेतना से जुड़ा है। तीसरा और अंतिम चरण है-उस परम तत्व में ही पूर्णत: अभिभूत हो जाना, जहां व्यक्ति स्वयं को एक व्यापक उद्देश्य का साधन मानने लगता है।

यह जीवन-पथ का ज्ञान हर व्यक्ति को एक ही समय पर नहीं मिलता। कुछ आत्माओं को यह बोध बहुत कम उम्र में हो जाता है-जैसे रामानुजन या थॉमस एडिसन, जिन्होंने जिज्ञासा को अपना पथ बना लिया। कुछ को यह समझ जीवन के उत्तरार्ध में प्राप्त होती है-जैसे महात्मा गांधी, जिन्होंने अनुभवों की अग्नि में तपकर सत्य को पहचाना। कुछ व्यक्तियों में यह प्रयोजन स्पष्ट और साकार रूप में प्रकट होता है-जैसे नेल्सन मंडेला और वर्गीज कुरियन, जिनका जीवन उद्देश्य समाज के सामने दीपस्तंभ की तरह खड़ा दिखाई देता है। वहीं कुछ महान व्यक्तित्वों में यह प्रयोजन सूक्ष्म, निराकार और लगभग अदृश्य रहता है-जैसे सतीश धवन और काकरला सुब्बाराव, जिनकी साधना परिणामों में बोलती है, प्रचार में नहीं। एक बार जब मनुष्य अपने मार्ग को पहचान लेता है, तब वह अपनी आत्मिक शक्ति और जीवन के वास्तविक मूल्यों के विकास के लिए असीम संभावनाएं खोज लेता है। यह विकास जाग्रत अवस्था में जीवन जीने से आता है, यानी हर अनुभव को पूरी संवेदनशीलता के साथ स्वीकार करने और उससे सीखने से। अब्राहम लिंकन और नेल्सन मंडेला ने इस यात्रा में वर्षों लगाए, पर उन्होंने धैर्य नहीं छोड़ा। यह साधना मनुष्य को मूल तत्व के अस्तित्व की खोज कराती है और उसके विविध स्वरूपों की पहचान के जरिये उसे एक शिखर तक पहुंचाती है। सीवी रमण के जीवन में यह खोज इंग्लैंड से लौटते समय समुद्र यात्रा के दौरान आरंभ हुई, जब प्रकृति के सौंदर्य ने उनके भीतर वैज्ञानिक जिज्ञासा को नई दिशा दी। गांधी जी के जीवन में यह चिंगारी दक्षिण अफ्रीका में तब जली, जब उन्हें रेलगाड़ी की प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर फेंका गया और अपमान ने उन्हें आत्मबल की शक्ति से परिचित कराया।

इससे हमें यह समझ मिलती है कि पृथ्वी पर हमारी उपस्थिति केवल देह तक सीमित नहीं, बल्कि हमारे भीतर विद्यमान मूल तत्व की निरंतरता है। इसी बोध से हमें यह एहसास होता है कि हम मानवता के अभिन्न अंग हैं। तब हम संपूर्ण मानव जाति से अपने गहरे संबंध को महसूस करते हैं, क्योंकि हमें ज्ञान हो जाता है कि हमारे व समस्त मानवता के भीतर एक ही परम तत्व व्याप्त है। यही अनुभूति हमें आत्मकेंद्रित जीवन से उठाकर मानव-कल्याण के पथ पर ले जाती है और यही सच्ची मुक्ति है।

सूत्र - हर परिस्थिति एक अवसर है

सच्ची मुक्ति अज्ञान के अंधकार से बाहर निकलने में है। अनुभव, संघर्ष और संवेदनशीलता ही व्यक्ति को उसका मार्ग दिखाते हैं। जो हर परिस्थिति को सीख का अवसर मानता है, वही आत्मिक शक्ति विकसित करता है। आत्मकेंद्रित दृष्टि से उठकर मानव-कल्याण के उद्देश्य से जुड़ना ही जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि और सच्ची स्वतंत्रता है।

मुद्दा

ताकि युवा किताबों से दूर न रहें

डिजिटल पढ़ाई बच्चों को आत्मकेंद्रित और चिड़चिड़ा बना रही है। भारत इस मामले में स्वीडन व डेनमार्क जैसे देशों से सबक ले सकता है।

कुछ माह पहले स्वीडन ने अपने स्कूलों से कंप्यूटर्स की विदाई कर दी और पंद्रह साल बाद किताबों की वापसी की। वहां के अधिकारियों का कहना था कि सारी पढ़ाई डिजिटल और ऑनलाइन करने से बच्चों ने नया कुछ नहीं सीखा। वे आत्मकेंद्रित हुए। अपने हमउम्र बच्चों के साथ खेलना-कूदना बंद हुआ। दूसरों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। उन्हें तरह-तरह के रोगों जैसे पीठ दर्द, सर्वाइकल, आंखों में रोशनी की कमी ने घेर लिया। वे चिड़चिड़े हो उठे।

पिछले अगस्त में खबर आई थी कि डेनमार्क में सरकार इस बात से चिंतित है कि स्क्रीन की इस दुनिया में क्या अब भी लोग किताबें पढ़ना चाहते हैं।

लोगों को किताबों तक वापस लाने के लिए वहां तमाम सामान पर लगाया जाने वाला पच्चीस प्रतिशत टैक्स, जो किताबों पर भी लगाया जाता है, उसे हटा दिया गया। वहां की संस्कृति मंत्री एंजेल स्मिट ने कहा कि हम चाहते हैं कि लोग ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़ें। उन्होंने यह भी कहा कि इन दिनों देश में एक तरह की रीडिंग क्राइसिस है। कोई पढ़ना नहीं चाहता। युवा लोग इसके अधिक शिकार हैं। किताबों पर टैक्स हटाने से वे सस्ती होंगी। युवा भी इनकी ओर आकर्षित होंगे। लोग अधिक से अधिक किताबें पढ़ना चाहेंगे। वैसे भी किताबों से अच्छा साथी कोई होता भी नहीं है। सिर्फ डेनमार्क ही नहीं, अमेरिका में भी यही स्थिति देखी जा रही है कि वहां लोग बहुत कम पढ़ते हैं। पढ़ने का कम कारण मोबाइल फोन और तरह-तरह के स्क्रीन टाइम को बताया जा रहा है। स्वीडन ने भी किताबों पर टैक्स कम कर दिया है। भारत में भी किताबों और पत्र-पत्रिकाओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं लगता, लेकिन किताबें जिस कागज पर छपती हैं, उस पर बारह प्रतिशत और छपाई पर अठारह प्रतिशत जीएसटी लगता है। यानी कि कान इधर से नहीं पकड़ा, उधर से पकड़ लिया। महंगी किताबें कैसे कोई खरीदे, और कैसे पढ़े। हमारे देश को भी इस बारे में बहुत सीखने की जरूरत है।

अपने यहां लगातार कहा जा रहा है कि यहां भी पढ़ने की आदतें कम हो रही हैं। क्या बच्चे, क्या युवा, सब ज्यादा से ज्यादा समय मोबाइल पर बिता रहे हैं। हालांकि, हाल ही में दिल्ली में लगे पुस्तक मेले में बीस लाख लोगों की उमड़ी भीड़ ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि लोगों में किताबों के प्रति दिलचस्पी कम हो रही है। अब तक लगे तिरपन पुस्तक मेलों में आने वालों का यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है। किताबों की बिक्री भी खूब हुई। लेकिन बहुत से लोगों का यह भी कहना है कि चूंकि इस बार मेले में प्रवेश नि:शुल्क था, इसलिए भीड़ ज्यादा थी। स्वीडन की तरह अब डेनमार्क में भी स्कूलों में किताबें वापस लाई जा रही हैं। सिर्फ किताबें ही नहीं कॉपी और पेन की वापसी भी हो रही है। वहां की सरकार का मानना है कि डिजिटल पढ़ाई से बच्चों की ध्यान केंद्रित होने की क्षमता कम होती जा रही थी। इसलिए उनके लिए कक्षाओं में किताबें, कॉपियां और पेन हों, इसकी जरूरत को महसूस किया गया। कागज के महत्व को दोबारा स्थापित किया जा रहा है। बहुत से स्कूलों ने मोबाइल फोन को बैन कर दिया है। बच्चों का पढ़ाई करते समय स्क्रीनटाइम कम से कम हो, इसकी योजनाएं बनाई जा रही हैं। कक्षा में विद्यार्थी और शिक्षक के आपसी तालमेल को भी रेखांकित किया जा रहा है। जबकि एक जमाने में डेनमार्क को डिजिटल चैंपियन कहा जाता था।

-क्षमा शर्मा

दूसरा पहलू

इतिहास की धुमावदार गलियों में कई बार सवालों के जवाब सीधे-सीधे नहीं मिलते, तुर्की सुल्ताना भी शायद ऐसा ही सवाल है।

भूली-बिसरी राजधानी का वह नायाब नगीना था

अकबर के दादा बाबर ने यहां एक उद्यान बनवाया था। ऐसा लगता ही नहीं कि यह सदियों पुरानी भूली-बिसरी दास्तां है। एक ऐसी राजधानी, जो बसने के साथ ही उजड़ गई। फतेहपुर सीकरी पत्थरों पर लिखी एक ऐसी रुबाई है, जिसे सुनने के लिए वक्त चाहिए। थोड़ा ठहरकर हवा में गूंजती सरगोशियों को सुनेंगे, तो कही-अनकही दास्तानें महसूस कर पाएंगे। तब आप देख पाएंगे कि पत्थरों पर कितनी नाजुक-सी शायरी लिखी गई है। तो क्या है तुर्की सुल्ताना की दास्तां, जिसे आज भी कोई नहीं जानता? इस वीरान बस्ती की ऐसी कहानी, जो अनकही रह गई। सदियों पहले एक वक्त था, जब अकबर की बनाई राजधानी फतेहपुर सीकरी की इमारतें गुलजार थीं। पहले थोड़ा फतेहपुर सीकरी के बारे में जान लेते हैं। इसका निर्माण 1571 से 1585 के बीच किया गया था। यह स्थान पहले सीकरी के नाम से जाना जाता था, जो सिकरवार राजपूतों से निकला शब्द बनाने का निर्देश दिया था। बाद में सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के आशीर्वाद से जब शहजादे सलीम, यानी जहांगीर का जन्म 1569 ईस्वी में हुआ, तो अकबर ने यहां पूरा शहर बनवाना तय किया। तब अकबर ने गुजरात में जीत हासिल की थी, तो नई राजधानी को फतेहपुर सीकरी नाम दिया गया। यहीं तुर्की सुल्ताना का अनोखा महल भी है, जैसे पत्थर पर लिखी कलात्मक कविता हो। इमारत की दीवारों पर लाल पत्थर पर जंगल के ऐसे दृश्य उकेरे गए हैं, जो कागज पर भी उकेरने असंभव से हैं। इतिहासकारों के अनुसार, तुर्की सुल्ताना कोई एक महिला नहीं थी, बल्कि यह अकबर की दो तुर्क बेगमों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द था, रुकैया सुल्ताना बेगम और सलीमा सुल्ताना बेगम। रुकैया अकबर की पहली पत्नी थीं, जो नि:संतान रहीं, जबकि सलीमा पहले बैरम खान की पत्नी थीं और बाद में उन्होंने अकबर से शादी की। पर दो बेगम एक कमरे के आवास में कैसे रह सकती थीं, इसका जवाब कहीं नहीं मिलता। अकबरकालीन इतिहासकार बदायूंनी ने लिखा है कि इस जगह 1571 में मजहबी चर्चा हुआ करती थी। इसे ही आज हम तुर्की सुल्ताना का महल कहते हैं। इसमें केवल एक कमरा है। इतिहासकार फर्ग्यूसन के अनुसार, अकबर की सभी इमारतों में यह सबसे सुंदर और समृद्ध है। इतनी अलंकृत इमारत कोई नहीं। अकबर के नवरत्नों में शुमार अबुल फजल ने लिखा है, छैनी-हथौड़े ने वह कमाल कर दिया, जो लकड़ी पर की गई नक्काशी भी नहीं कर सकती थी। इतिहासकार पर्सी ब्राउन ने अपनी चर्चित पुस्तक इंडियन आर्किटेक्चर-द इस्लामिक पीरियड में लिखा है, वास्तुकला का नायाब नगीना। देखा जाए, तो इतिहास की धुमावदार गलियों में कई बार सवालों के जवाब सीधे-सीधे नहीं मिलते, तुर्की सुल्ताना भी शायद ऐसा ही सवाल है।

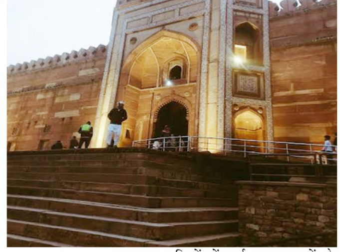

फतेहपुर सीकरी का निर्माण 1571 से 1585 के बीच किया गया था। यह स्थान पहले सीकरी के नाम से जाना जाता था।

अकबर की सभी इमारतों में यह सबसे सुंदर और समृद्ध है। इतनी अलंकृत इमारत कोई नहीं। अबुल फजल लिखा है, छैनी-हथौड़े ने वह कमाल कर दिया, जो लकड़ी पर की गई नक्काशी भी नहीं कर सकती थी।

-भूपेंद्र कुमार

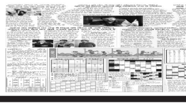

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। बुधवार को मिलो की पूछपरख ठंडी रहने से अनाज मंडी में तुअर ढ़ीली रही। चने में बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत हुआ। किराना जिंसों में जीरे में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में पूछपरख ठंडी रहने से बाजार मंदी के रहे। चने में बाजार सुर्ख रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती बनी। उधर, किराना जिंसों में जीरा दिसावरी पूछपरख से मजबूत नज़र आया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4160, खोपरा गोला 345-390, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1300-1350, क्लीन 1500-1550, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोंनिया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2780-2800, सोया साल्वेंट 1310-1315, सोया रिफाइंड 1360-1380, कपास्या 1325-1330, धूलिया 1335, कड़ी 1340,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725-1750, मुम्बई पाम 1310-1315, मुम्बई सोया 1400,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2350, देवास-उज्जैन 2350, खंडवा-बुरहानपुर 2225, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7400-7600, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 5500-5650, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5600-5700, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7400-7500, हल्की 7200-7300, तुअर महाराष्ट्र 8000-8200, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 283000, चॉंदी (99) 282000, टंच 281500, सिक्का 3000, सोना 10 ग्राम 163000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.45 पर बंद हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 90.54 पर पहुंच गया। एक दिन पहले भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति की खबर से आई तेज मजबूती बुधवार को बरकरार नहीं रह सकी। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, बाजार में सकारात्मक माहौल के बावजूद निवेशक अभी सतर्क रुख अपनाए हुए हैं, क्योंकि अब तक कोई आधिकारिक या हस्ताक्षरित व्यापार समझौता सामने नहीं आया है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.35 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन जल्द ही दबाव में आकर 90.54 के स्तर तक फिसल गया। इसके मुकाबले मंगलवार को रुपया 117 पैसे करीब 1.28 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़त के साथ 90.32 पर बंद हुआ था और एशियाई मुद्राओं में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर, ऑयल एंव गैस और एनर्जी शेयरों में जमकर खरीदारी हुई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78.56 अंक बढ़कर 83,817.69 और 50 शेयरों वाल एनएसई निफ्टी 48.45 अंक ऊपर आकर 25,776.00 पर बंद हुआ। मुख्य सूचकांकों में निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी पीएसई , निफ्टी इन्फ्रा और तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर निफ्टी आईटी , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी सर्विसेज 0.42 और निफ्टी फार्मा 0.34 की कमजोरी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक उछाल रहा । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 376.50 अंक की तेजी के साथ

59,683.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 216.15 अंक बढ़कर 17,205.10 पर था।सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक के शेयर गिर। इससे पहले आज सुबह बाजारों में हल्की बढ़त दर्ज की गई। सभी प्रमुख सेक्टरों में खरीदारी देखी गई, हालांकि आईटी शेयरों में गिरावट के कारण बाजार की तेजी सीमित रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 44 अंक की बढ़त के साथ 83,783 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 51 अंक चढ़कर 25,778 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई इंडेक्स फ्लैट रहा और शेनझेन में 0.88 फीसदी की गिरावट आई, जापान का निक्केई 0.6 फीसदी गिरा, और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.73 फीसदी नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.72 फीसदी बढ़ा। पिछले ट्रेडिंग सेशन में अमेरिकी बाजार ज्यादातर हरे निशान में बंद हुए, जबकि नैस्डैक में 1.43 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.84 फीसदी की गिरावट आई, और डॉव जोन्स 0.34 फीसदी नीचे आया।

कीमती धातुओं की जोरदार वापसी, चांदी में सोने से अधिक मुनाफे की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। सराफा बाजार में पिछले कुछ दिनों की ऐतिहासिक गिरावट के बाद कीमती धातुओं ने फिर जोरदार वापसी की है। वैश्विक बाजार में आई तेजी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 6 फीसदी बढ़कर 4,935 डॉलर प्रति औंस हो गई, जो साल 2008 के बाद की सबसे बड़ी छलांग है। वहीं, चांदी ने 10 फीसदी की उछाल के साथ 87.40 डॉलर प्रति औंस का स्तर छू लिया। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सोना-चांदी अनुपात निवेश दिशा तय करने में अहम है। यह बताता है कि एक औंस सोना खरीदने के लिए कितनी चांदी की जरूरत होगी। वर्तमान में यह अनुपात 56 है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब यह आंकड़ा 50 से नीचे जाता है, तो चांदी महंगी मानी जाने लगती है। पिछले सप्ताह अनुपात कम होने के बाद कीमतों में सुधार की संभावना स्पष्ट थी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चांदी आने वाले समय में सोने से अधिक लाभ दे सकती है। अगर यह अनुमान सच होता है, तो चांदी जल्द ही 100 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 15 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर, सोने में 6-7 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। बाजार के जानकार चांदी को कम समय में तेजी दिखाने वाली धातु मानते हैं, जबकि सोने को मैराथन रनर यानी लंबी अवधि के स्थिर निवेश के रूप में देखते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भले ही फिलहाल तेजी है, लेकिन पूरे साल का नजरिया अत्यधिक उत्साहजनक नहीं है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा पर जोर- पीयूष गोयल

नई दिल्ली। एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में अपने कृषि और डेरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की है। दोनों देश जल्द ही इस समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जारी करेंगे। गोयल ने कहा कि यह करार हर भारतीय के हितों की रक्षा करेगा और नई आर्थिक संभावनाओं के मार्ग खोलेगा। गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत डेरी, पोल्ट्री, अनाज, सोया मील और मक्का जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क में कोई छूट नहीं देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने भी कहा कि भारत कुछ क्षेत्रों को सुरक्षा प्रदान करता है, और अमेरिका वहां पहुंच बढ़ाने पर काम करेगा। कुछ कम संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क शून्य कर दिया जाएगा, जबकि अधिक संवेदनशील उत्पादों पर शुल्क धीरे-धीरे घटाया जाएगा और कोटा तय होगा। ग्रीर ने बताया कि औद्योगिक सामान पर औसत शुल्क 13.5 फीसदी है, और अब 98-99 फीसदी उत्पाद पर शुल्क शून्य किया जाएगा। गोयल ने कहा कि समझौता टेक्सटाइल, प्लास्टिक, कपड़े, होम डेकोर, चमड़ा, फुटवियर, रत्न-आभूषण, ऑर्गेनिक रसायन, रबर के सामान, मशीनरी और विमान कलपुर्जों जैसे श्रम-संवेदनशील क्षेत्रों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। इन क्षेत्रों का अमेरिका में निर्यात में हिस्सा एक-तिहाई से अधिक है। शुल्क को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जाएगा, जिससे भारतीय उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी।

मेष- आज का दिन आपके लिए कुछ अधिक भागदौड़ भरा रह सकता है। आप अपने मुख्य कामों के साथ-साथ इधर-उधर के कार्यों में भी उलझे रहेंगे। ऐसे में जरूरी है कि, आप अपने समय और ऊर्जा का सही प्रबंधन करें। किसी सरकारी काम को लेकर आज बिल्कुल भी ढील न बरतें, नहीं तो आगे चलकर परेशानी बढ़ सकती है।

वृषभ- आज आपके चारों ओर का माहौल सकारात्मक और खुशनुमा बना रहेगा। लगातार कोई न कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। ध्यान रखें कि बेवजह किसी विवाद या झगड़े में न उलझें, अन्यथा मामला कानूनी स्तर तक भी पहुंच सकता है। परिवार में यदि कुछ समय से खटपट चल रही थी, तो आज वह दूर होती दिखेगी और आपसी एकजुटता फिर से मजबूत होगी।

मिथुन- आज का दिन नए घर, मकान या संपत्ति की खरीदारी के लिए बेहद शुभ संकेत दे रहा है। आपकी मेहनत और लगन आपको एक अच्छे मुकाम तक पहुंचाने में सफल होगी। यदि किसी काम को लेकर आप लंबे समय से परेशान चल रहे थे, तो आज उसके पूरे होने की प्रबल संभावना है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जिससे उनका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से अनुकूल है। पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आपको अपने मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष की भावना नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि यह आपकी मानसिक शांति को भंग कर सकती है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने की भी पूरी संभावना है। सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का आज आपको पूरा लाभ मिल सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कुछ खास कर दिखाने का है। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी की बात आपको थोड़ी बुरी लग सकती है, लेकिन आप पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने काम में लगे रहेंगे। जीवनसाथी को नौकरी में प्रमोशन या कोई अच्छी उपलब्धि मिलने से घर का माहौल खुशहाल रहेगा। यदि आपका कोई काम धन की वजह से रुका हुआ था, तो उसके पूरा होने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर नाम और सम्मान कमाने का है। वाहन चलाते समय थोड़ी सावधानी बरतें और किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें, नहीं तो गलतफहमी पैदा हो सकती है। भाई-बहनों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपसी रिश्ते और मजबूत होंगे। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे उत्साह का माहौल बनेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने कामों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने से बचना होगा। व्यवसाय पहले की तुलना में बेहतर चलेगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसी पुराने निर्णय को लेकर मन में पछतावा हो सकता है, लेकिन उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही समझदारी होगी। यदि आपके मन में कोई खास इच्छा थी, तो उसके पूरे होने की संभावना आज बन रही है।

वृश्चिक- आज का दिन भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। व्यवसाय में किसी बड़ी डील को लेकर आपको पार्टनरशिप करनी पड़ सकती है, जो आगे चलकर लाभदायक सिद्ध होगी। संतान आपके कुछ मनमाने व्यवहार से थोड़ा असहज महसूस कर सकती है, इसलिए उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। घर के रिनोवेशन या साज-सज्जा का काम आज शुरू हो सकता है। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय सतर्क रहें।

धनु- आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। अपने आसपास के लोगों से थोड़ा सतर्क रहना जरूरी होगा। जीवनसाथी की ओर से कोई सुंदर सा उपहार मिल सकता है, जिससे मन खुश हो जाएगा। ईश्वर की भक्ति में आपका मन खूब लगेगा और जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें भाग्य आपका पूरा साथ देगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है।

मकर- आज का दिन कुछ नया करने की प्रेरणा लेकर आएगा। अपने कामों को लेकर आप सख्ती दिखाएंगे, जिससे वे समय पर पूरे होंगे। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से खुशियों का माहौल बनेगा। बॉस की बातों को नजरअंदाज करने से बचें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। पैतृक संपत्ति को लेकर बंटवारे की स्थिति बन सकती है।

कुंभ- आज का दिन मौज-मस्ती और आनंद से भरा रहेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी, लेकिन बातचीत के दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें। पारिवारिक मामलों को लेकर वरिष्ठ सदस्यों से चर्चा करनी होगी, तभी वे समय पर सुलझते नजर आएंगे।

मीन- आज का दिन आपको अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देने की सलाह दे रहा है, क्योंकि मन बार-बार इधर-उधर भटक सकता है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो यह समय आपके लिए अनुकूल है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को आज विशेष सावधानी बरतनी होगी।

शब्दजाल - 8161

शब्दजाल में जॉनी वाकर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

मे	म	सा	ब	सी	ब	से	ज	ग	ल	ट
म	रे	ली	प्रे	शा	न	स	व	ज	कां	ड़
स	मे	हु	बा	दी	छ	मि	आ	क	ब	क
इं	नौ	ब	जु	बा	वा	स	थ	ह	ष	रा
डि	आ	शि	का	र	चा	न	सा	न	भ	जा
या	ल	मि	र	रा	क	ब	ती	ण	घ	रा
द	सिं	प	ल	छ	वा	र	स	बा	व	नी
ह	ह	ऊ	ई	न	ब	क	फ	चो	श	क
म	म	तु	ला	र	की	स	या	औ	र	आ
दो	गॉ	ल	प	लि	जी	रा	भ	म	प	द
नों	ड	क	र्क	य	क	र	त	सं	ता	न

मेरे हुजूर, शिकार, मेमसाब, नवाब साहब, मिलन की रात, संतान, सेवक, राजा रानी, शान, हम दोनों

शब्दजाल - 8160 का हल

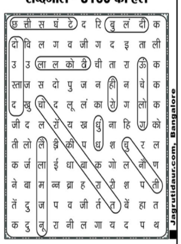

फिल्म वर्ग पहेली - 7105

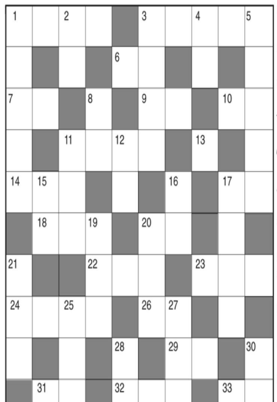

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7104

दैनिक पंचांग

5 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.09 बजे से
चंद्र	कन्या में	मीन	08.42 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.12 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.50 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.04 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.20 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.32 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.43 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृश्चिक	00.57 ब.से
		धनु	03.13 बजे से
		मकर	05.18 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 36 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 22.58 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 00.04 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.11 बजे तदनन्तर बालव 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 59' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872611 **जूलियन दिन** 2461076.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 16 **विशेष** द्विजप्रिय संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः नई भूमिका

पुराने जमाने की बात है। राजा बालीक ने किसी छोटी सी बात पर नाराज होकर अपने प्रधानमंत्री भद्रजित को उनके पद से हटा दिया। उन्होंने क्रोध में भद्रजित से कहा, 'तुम अपने आप को बहुत श्रेष्ठ समझते थे न। जब तुम इधर-उधर भटकोगे तब तुम्हें पता चलेगा कि पद का क्या महत्व होता है।' भद्रजित शांति व शालीनता से राजा को प्रणाम कर दरबार से चले गए। उन्होंने पद से हटाए जाने को ईश्वर का वरदान माना और मन में किसी तरह का द्वेष भाव नहीं रखा। उन्होंने अपना समय इश्वरोपासना, स्वाध्याय तथा जनसेवा में लगाना शुरू कर दिया। जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गए। भद्रजित अधिक से अधिक समय सत्संग और सदकार्यों को देने लगे। एक दिन राजा बालीक को भद्रजित की याद आई। राजा ने सोचा कि भद्रजित की हालत निश्चय ही दयनीय हो गई होगी। क्यों न चल कर देखा जाए। राजा वेश बदल कर नगर में जा पहुंचे। राजा को देखकर आश्चर्य हुआ कि भद्रजित श्रेष्ठ लोगों से घिरे थे। भदजित ने वेश बदले राजा को पहचान लिया। उन्होंने खड़े होकर राजा का अभिनंदन किया और कहा, 'राजन! यदि आप मुझे मेरे पद से हटाते नहीं तो मुझे लोगों की सेवा का अवसर भला कहां मिलता? यह तो मेरा सौभाग्य है कि आप ने मुझे पद से हटा दिया। इससे मुझे जीवन के एक अलग अध्याय को जानने और एक नई भूमिका निभाने का अवसर मिला। मैं आपका आजीवन आभारी रहूंगा।' राजा बालीक भद्रजित की विनम्रता और धैर्य को देखकर हैरान रह गए। उनसे कुछ बोलते न बना।

सूडोकु नवताल- 7414

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7413 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8629

बाएँ से दाएँ

1.तन,शरीर-3
3.चकोर,चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6.झगड़ा,द्वेष-3
7.मोटा आटा-2
8.खिंचाव,स्वर विस्तार-2
9.असली,शुद्ध-3
10.यंत्रशाला-4
12.कार्यविधि-3
14.चिंगारी-3
16.एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18.दूल्हे की पगड़ी-3
20.सम्मान-2
21.प्राण,जीवन तत्व-2
22.कुशल,होनहार-3
24.राशिचक्र की एक राशि-3
25.प्रेमी,साजन- 3

ऊपर से नीचे

2.अवलोकन,दरस-3
3.चलने का ढंग-2
4.तलघर-4
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.जलजला-3
7.रसीला,रस से भरपूर-4
8.बल,जोर,दम-3
10.चाचा,अंकल-2
11.शौहर,पति-3
13.'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14.वहम,संदेह-3
15.राजा,सम्राट-3
16.उपद्रवी,आतंकी-4
17.गिरवी रखी वस्तु-3
20.बैठने की जगह-3
21.शराब का प्याला-2
23.रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8628 का हल

नगर परिषद लांजी द्वारा बिछाई जा रही पाईप लाईन के खुदाई को लेकर जताई आपत्ति

बिसोनी वार्ड क्रमांक 10 के निवासियों ने विधायक करहि को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

वर्तमान में नगर परिषद लांजी के द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत शहर में पाईप लाईन बिछाने हेतु खुदाई का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत यह कार्य नगर के बाजार चौक स्थित मकानों के सामने भी खुदाई के कार्य हेतु चुना डालकर स्थान चिन्हित किया गया है। इस चिन्हित स्थानो पर या मार्किंग पर ग्राम पंचायत बिसोनी वार्ड क्रमांक 10 के रहवासियों ने आपत्ति जताते हुये क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि को तत्संबध में ज्ञापन सौंप कर कार्य रूकवाने के लिये निवेदन किया गया है। ज्ञापन में लेख हे कि यह कि ग्राम पंचायत बिसोनी में स्थित बाजार चौक में बनी पानी टंकी से पूर्व दिशा की ओर पाईप लाईन की व्यवस्था की जा रही है जिसमें बगैर राड़े एवं भूमि स्वामी हक की भूमि से बगैश्र नाप झोख करे अनावश्यक रूप बने मकानों के बीच से खुदाई कर पाईप लाइन बिछाने हेतु खुदाई कार्य किया जाना है। जिसकी चूने से वार्ड वासियों के मकान के भीतर तक मार्किंग किया जाना है। जिसमें वार्ड क्रमांक 10 के निवासियों के मकान संभवतः टूटने की संभावना है। जबकि सभी वार्ड वासी गण अपनी भूमि स्वामी हक की भूमि पर अपना मकान निर्माण कार्य किया गया है। नगर परिषद लांजी के द्वारा यह जो पाईप लाईन का कार्य किया जाना है। ऐसी स्थिती में वार्ड नंबर 10 के स्थाई निवासियों को

सूचित किया जाकर शासकीय मार्ग एवं भूमि स्वामी हक के भूमि के मध्य जो दूरी होती है उसी के मध्य पाईप लाईन बिछायात हेतु खुदाई के कार्य हेतु चिन्हित किया जाना था। क्यों मार्ग के दुसरी ओर शासकीय भूमि है तथा पानी निकासी हेतु नाली बनी हुई थी। उसी स्थान पर खुदाई कर पाईप लाईन कार्य किया जाता है तो वह संभवतः न्यायोचित होगा। बतादे कि वार्ड वासियों ने कहा कि भूमि स्वामी हक की भूमि पद वार्ड वासियों के पक्के मकान है। इस ओर पाईप लाईन का बिछायत किया जाना संभव नही जबकि मार्ग के दुसरी ओर शासकीय नाली भी थी जहां पर खुदाई कर पाईप लाईन बिछाने का कार्य करते है तो ऐसी स्थिती में शासन एवं वार्ड वासियों को किसी भी प्रकार कोई क्षति ना होकर यह कार्य सुविधा पूर्ण संभव हो सकता है तथा किसी को कोई आपत्ति नही होगी। ज्ञपन सौंपने के दौरान वार्ड वासी केशोराव राणे, निखील वानखेड़े, जहांगीर खान, हितेश बावनथडे, मदन लाल सोमनकर, कल्पना वानखेड़े, केशव दहीकर, रवि, जगन्नाथ आसटकर, अशोक पालीवाल, एसके उरकुड़े, पवन, आर्यन कारसर्पे इन सभी के द्वारा विधायक राजकुमार करहि सहित एसडीएम, तहसीलदार एवं संबधित अधिकरियो को अतिशिघ्र निराकरण हेत ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है।

घोटी में उत्पन्न मतभेदों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

पुलिस ने नागरिकों से की अपील, अफवाहों पर ध्यान न दें

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना क्षेत्र के ग्राम घोटी में 27 जनवरी 2026 की शाम को एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों के बीच आपसी मतभेद उत्पन्न होने की सूचना मिली थी। इस घटना के बाद तत्काल मौके पर पहुंचकर लांजी पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 फरवरी को एसडीओपी कार्यालय लांजी शांति समिति की बैठक बुलाई। यह बैठक अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (लांजी), ओमप्रकाश (भापुसे), एसडीएम लांजी कमल सिंह सिंहसार, तहसीलदार संजय भारस्कर एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। बैठक में दोनों समुदायों के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। सभी सदस्यों ने आपसी सौहार्द, भाईचारा और सामाजिक समरसता बनाए रखने पर पूर्ण सहमति जताई। दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझा लिया गया।

बैठक में भविष्य में अफवाहों या किसी भी प्रकार के तनाव से बचने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई। पुलिस एवं प्रशासन के बीच निरंतर समन्वय बना हुआ है तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

बिसोनी में हिंदू सम्मेलन को लेकर सकल हिंदू समाज की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। आगामी 7 फरवरी को ग्राम बिसोनी में विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसको लेकर सकल हिन्दू समाज

लांजी बिसोनी के प्रमुख गणो के द्वारा 4 फरवरी को कार्यक्रम स्थल बिसोनी में की रूपरेखा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में हिंदू समाज को संगठित, जागरूक करने, सामाजिक एकता और सनातन धर्म के महत्व पर चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से सकल हिन्दू समाज मंडल बिसोनी मौजूद रहे, जिन्होंने हिंदू समाज की मजबूती के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। सामाजिक समरसता, सद्भाव के तहत यह संपूर्ण आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में कु. पलक दीदी जन समुदाय को संबोधित करेगी। इस बैठक में मुख्य रूप से सुखपाल भर्रे, योगेंद्र दहिकर, पूर्व सरपंच विजय वारे, ताराचंद कुचलाहे दुल्हापुर सरपंच, महेंद्र बोरकर सरपंच कटंगी, देवेश एड़े- बिसोनी मंडल अध्यक्ष, बुधराम देवगढ़े, ललित देवगढ़े, बलिराम बढ़घैया, पुरुषोत्तम कलपुरिया, विजय कुचलाहे, रवि, टिकेश्वर करहि, वैभव सिंह बड़घइयाँ , मुकेश बड़घइयाँ, पवन वारे, अनसुक कलपुरिया, डीलेश्वर सिरसाज , अनिल , डॉ महेंद्र रणदीवे, यशवंत राव बडघइया, राजकुमार कुशले, अमित करहि, प्रतीक देवगढ़े, कुशलेश कलपुरिया मौजूद रहे।

अभिषेक पूजन कर मनाया मां सती माता मंदिर का सातवां स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 7 गणेश चौक मरार मोहल्ला में स्थापित मां सती माता मंदिर में 4 फरवरी को विधि विधान पूर्वक अभिषेक पूजन हवन कर मंदिर का सातवां स्थापना दिवस मनाया गया। किरनापुरे परिवार द्वारा 4 फरवरी 2019 को भव्य मंदिर का निर्माण कर यहां मां सती माता, नागिन माता एवं भगवान शिवजी की पिण्डी व नंदी की प्रतिमाओं की स्थापना विधि विधान पूर्वक की गई थी। इसी उपलक्ष्य में स्थापना के सातवें वर्ष में पं. मोनू मिश्रा द्वारा विधि विधान से अभिषेक, हवन-पूजन सम्पन्न कराया गया। इसके उपरान्त शाम 7 बजे नौ कन्या भोज के साथ ही प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर त्रिवेणी गीताराम किरनापुरे, घनश्याम किरनापुरे, सरस्वती अनिल किरनापुरे, ज्योति रविन्द्र किरनापुरे, रजनी मनोज किरनापुरे, सोना शिवकुमार किरनापुरे,

रेखा मोहन किरनापुरे, तरूण किरनापुरे, अक्षय किरनापुरे, मुकेश किरनापुरे, निकेश किरनापुरे, हिमांशु किरनापुरे, रिया किरनापुरे, संध्या पंकज खोबरागड़े, दुर्गा दिनेश रामटेक्कर एवं समस्त परिवार उपस्थित रहा।

खापा में रोका गया बाल विवाह, समझाइश के बाद टला वैवाहिक आयोजन

माता-पिता एवं परिजनों को दी गई कानूनी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत ग्राम खापा में तय किया गया एक बाल विवाह समय रहते रोक दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को समझाइश देकर विवाह को निरस्त करा दिया।

जिले में बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला मंगोडिया के निर्देशन में निरंतर सख्त एवं प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वारासिवनी तहसील के ग्राम खापा में बाल विवाह तय होने की सूचना प्राप्त होते ही बाल कल्याण समिति, पुलिस विभाग की विशेष किशोर इकाई, वन स्टॉप सेंटर तथा आंगनबाड़ी विभाग की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

कार्यवाही के दौरान बाल कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती सुनीता झांगेले, पुलिस विभाग की विशेष किशोर इकाई से रेहाना खान एवं योगेश राहंगडाले, महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती कौतिका नारनौरे, वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की प्रशासक रचना चौधरी, केस वर्कर श्रीमती यानिता रहगडाले, चाइल्ड लाइन प्रभारी खिलेंद्र यूके एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। टीम द्वारा बालिका, उसके माता-पिता एवं सगे-संबंधियों को बाल विवाह न करने के लिए समझाया गया तथा कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित है। बाल विवाह कराना केवल सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि दंडनीय अपराध भी है। इसके तहत माता-पिता, परिजन, बाराती एवं विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित तक पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। दोषी पाए जाने पर दो वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा एक लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों का प्रावधान है। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि बाल विवाह के कारण कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में वृद्धि तथा घरेलू हिंसा जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसलिए समाज के सभी वर्गों को इस कुप्रथा के विरुद्ध जागरूक होकर सहयोग करना आवश्यक है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि निर्धारित आयु पूर्ण होने के बाद ही विवाह संपन्न कराएं। यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना प्राप्त हो तो जिला बाल संरक्षण अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर (मोबाइल नंबरः 6262240299), टोल फ्री नंबर 1098 अथवा महिला हेल्पलाइन 181 पर संपर्क करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं का कुष्ठ परीक्षण कर दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वास्थ्य विभाग मध्यप्रदेश शासन के द्वारा 30 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के गाइडलाइन अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर परेश उपल्प एवं जिला चिकित्सा कुष्ठ अधिकारी डॉक्टर ॠतिक पटेल के निर्देश अनुसार मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अक्षय उपराडे के मार्गदर्शन पर ग्राम रिसेवाड़ा में कुष्ठ पखवाड़ा के अंतर्गत अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय शासकीय हाई स्कूल रिसेवाड़ा के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में कुष्ठ संकल्प शपथ एवं जन जागृति रैली निकाली गई जो हाट बाजार होते हुए ग्राम रिसेवाड़ा का भ्रमण करते हुये कुष्ठ संदेश दिया गया एवं छात्र-छात्राओं का कुष्ठ परीक्षण कर छात्रों को कुष्ठ चिन्ह लक्षण की पहचान की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा दी गई। कुष्ठ सर्वे कार्य आरिफ हुसैन के द्वारा एवं आशा कार्यकर्ता अनूपा मंडले के सहयोग से किया गया। जिसमें योगेंद्र कुमार फूलमारे प्रधान पाठक, वी डी लील्हारे शिक्षक, आर के राहंगडाले, श्रीमती गायत्री घोरमारे, शत्रुघ्न मिरचे, लक्ष्मीचंद बिसेन, अरविंद जाभूरकर, शैलेंद्र नागपुरे, श्रीमती जानकी दशरिया, श्रीमती टोमेश्वरी भटेरे, श्री तर यादव, सुश्री गुलनाज खान प्रभारी प्राचार्य, दिलेशवर ऊईके, कृष्ण कुमार भीमटे, दिनेश कुमार टेंभरे, ढालेश्वर लिल्हारे, सुरेश भौतेकर शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश में लगभग हर दसवां व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार

फर्जी कॉल, लिंक के जरिए ठगी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग और फर्जी निवेश के नाम पर ठगी

भोपाल । डिजिटल इंडिया के दौर में जहां साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं मध्य प्रदेश इस चुनौती से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे के स्तर पर पिछड़ता नजर आ रहा है। बीते पांच वर्षों में प्रदेश में साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और हैकिंग के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और लोगों ने करोड़ों रुपये गंवाए हैं। इसके बावजूद मध्य प्रदेश में अब तक साइबर फॉरेंसिक लैब स्थापित करने का कोई ठोस प्रस्ताव तक नहीं बन पाया है।

सरकारी आंकड़ों और पुलिस रिकॉर्ड्स की मानें तो प्रदेश में लगभग हर दसवां व्यक्ति किसी न किसी रूप में साइबर ठगी का शिकार हो चुका है। ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी कॉल, लिंक के जरिए ठगी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग और फर्जी निवेश योजनाएं आम होती जा रही हैं। शिकायतें दर्ज तो हो रही हैं, लेकिन जांच की रफ्तार और तकनीकी साक्ष्य जुटाने में प्रदेश पुलिस को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश में फॉरेंसिक लैब नहीं

चौंकाने वाली बात यह है कि देश के 27 राज्यों और कई केंद्र शासित प्रदेशों में साइबर फॉरेंसिक लैब स्थापित की जा चुकी हैं। हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, पुडुचेरी, उत्तराखंड, असम, मणिपुर, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और गोवा जैसे छोटे राज्यों में भी साइबर फॉरेंसिक लैब काम कर रही हैं। यहां तक कि अरुणाचल प्रदेश जैसे सीमावर्ती राज्य में भी फॉरेंसिक लैब स्थापित की जा चुकी है। इसके उलट, मध्य प्रदेश की स्थिति सिक्किम, नागालैंड और अंडमान-निकोबार जैसे कुछ ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ गिनी जा रही है, जहां अब तक साइबर फॉरेंसिक लैब नहीं बन पाई है। यह तब है जब मध्य प्रदेश देश के बड़े राज्यों में शामिल है और साइबर अपराध के मामलों में लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है।

लैब न होने पर सवाल उठ रहे

प्रदेश में बढ़ते साइबर अपराध और करोड़ों के नुकसान के बावजूद साइबर फॉरेंसिक लैब को लेकर कोई ठोस रोडमैप न होना अब सरकार के लिए सवाल बनता जा रहा है। विपक्ष इसे लापरवाही बता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि साइबर फॉरेंसिक लैब के अभाव में मोबाइल, लैपटॉप, सर्वर, ई-मेल और डिजिटल ट्रांजैक्शन से जुड़े सबूतों की जांच में देरी होती है। कई मामलों में तकनीकी रिपोर्ट बाहर के राज्यों से मंगानी पड़ती है, जिससे केस कमजोर हो जाता है और आरोपी बच निकलते हैं।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा... कर्ज लेने में मोहन सरकार ने शिवराज को पीछे छोड़ा

भोपाल । पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की मोहन सरकार अब सिर्फ एक हजार दिन की ही मेहमान है, इसके बाद वह सत्ता से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मोहन सरकार में तीन मंत्री अपराधों से जुड़े मामलों में घिरे हुए हैं, जिनसे तत्काल इस्तीफा लिया जाना चाहिए। पटवारी ने कहा कि,पहले मंत्री विजय शाह हैं, जिनसे इस्तीफा लिया जाना चाहिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उनके बारे में कहा है कि वे मंत्री पद पर रहने योग्य नहीं हैं। दूसरे स्वास्थ्य मंत्री हैं। छिंदवाड़ा के कफ सिरप मामले का जिक्र करते हुए पटवारी ने कहा कि 26 मौतों के जिम्मेदार व्यक्ति को मंत्री बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। तीसरे मंत्री नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हैं, जिनके शहर में दूषित पानी से 32 लोगों की मौत हुई। ऐसे मंत्री पद पर रहने के योग्य नहीं हैं।

पटवारी ने यह बातें बुधवार मीडिया से चर्चा के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को घेरते हुए उन्होंने कहा कि अभिनंदन और तालियों से सरकार नहीं चलती, मुख्यमंत्री को अपने पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए और तीनों मंत्रियों से इस्तीफा लेना चाहिए। यह कांग्रेस पार्टी की मांग है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भारत-अमेरिका डील को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अमेरिका की शर्तों के आगे झुक गई है, जिसका सीधा नुकसान देश के किसानों को होगा। पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने खेती को लाभ का धंधा बनाने का वादा किया था, लेकिन आज सबसे ज्यादा आत्महत्याएं किसान ही कर रहे हैं। अमेरिका से हुई डील के बाद वहां का उत्पादन भारत आएगा और भारत का उत्पादन अमेरिका जाएगा, जहां ज्यादा टैरिफ लगाया जाएगा। यह डील किसानों के हित में नहीं है। कांग्रेस इसे लेकर आंदोलन करेगी।

कर्ज लेने में शिवराज से आगे निकली मोहन सरकार

जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कर्ज लेने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में अब तक 78 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया जा चुका है, यानी रोज करीब 213 करोड़ रुपए का कर्ज। पटवारी ने कहा कि सिर्फ एक दिन पहले ही 5200 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया। जब इस पर सवाल उठाए जाते हैं तो सरकार विकास का हवाला देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट का आकार जानबूझकर बड़ा रखा जाता है ताकि ज्यादा कर्ज लिया जा सके।

भारत भूगोल नहीं, एक शाश्वत स्वभाव है - डॉ. मोहन भागवत

खरगोन/इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि भारत की पहचान महज एक भौगोलिक मानचित्र से नहीं, बल्कि इसके उस विशिष्ट स्वभाव से है जो संपूर्ण विश्व को अपना परिवार मानता है। बुधवार को मध्य प्रदेश के इंदौर संभाग के खरगोन जिले में नर्मदा तट स्थित ग्राम लेपा में आयोजित विचार-प्रेरक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माण का विजन प्रस्तुत किया। डॉ. भागवत ने जोर देकर कहा कि परतंत्रता के लंबे कालखंड में भी भारत का यह मूल स्वभाव कभी नहीं बदला।

डॉ. भागवत ने अपने संबोधन में सेवा के भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति में चैरिटी का भाव प्रमुख है, जबकि भारत में सेवा को धर्म माना गया है। हमारे दर्शन के अनुसार हर जीव में परमेश्वर का अंश है, अत: किसी की मदद करना उस पर उपकार नहीं, बल्कि स्वयं की अंतरात्मा को शुद्ध करने का मार्ग है। उन्होंने आह्वान किया कि जिसके पास जो भी सामर्थ्य हो, उसे समाज के वंचित वर्ग की सेवा में अर्पण कर देना चाहिए, क्योंकि सेवा से ही आत्मिक शुद्धि संभव है।

शाश्वत सुख की व्याख्या करते हुए सरसंघचालक ने कहा कि भारत की सदियों पुरानी ज्ञान यात्रा इस सत्य पर टिकी है कि सुख भौतिक वस्तुओं में नहीं, अपितु मनुष्य के भीतर विद्यमान है। उन्होंने कहा कि माया का आधार हमेशा अध्यात्म होना चाहिए। ईश्वर ने मनुष्य को संवेदना इसलिए दी है ताकि वह दूसरे के दुख को अपना समझ सके। किसी की उपेक्षा कर सुख भोगना भारतीय संवेदना का हिस्सा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में ही अंदर की खोज की यात्रा प्रारंभ हुई, जो अंतत: मनुष्य को शाश्वत आनंद की ओर ले जाती है।

भारतीय शिक्षा पद्धति पर चर्चा करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि वास्तविक शिक्षा वह है जो मनुष्य को आत्मनिर्भर बनाए और उसमें श्रम के प्रति प्रतिष्ठा का भाव जगाए। उन्होंने जननायक टंट्या मामा और संत गाडगे महाराज का उदाहरण देते हुए बताया कि औपचारिक शिक्षा न होने के बावजूद उनके भीतर का दैवीय ज्ञान आज भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि ज्ञान मनुष्य के भीतर ही है, उसे केवल बाहर निकालने की आवश्यकता है। ऐसी शिक्षा जो विश्व मानवता का कल्याण करे, वही वास्तविक अर्थों में शिक्षा है।

भारत की प्रगति को परिभाषित करते हुए डॉ. भागवत ने एक व्यापक दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत की उन्नति का अर्थ केवल जीडीपी या मानवीय सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जल, जंगल, नदी, पहाड़ और पशु-पक्षी, यानी संपूर्ण प्रकृति की उन्नति समाहित है। उन्होंने भारती ठाकुर के संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि रक्षा मंत्रालय की नौकरी छोड़कर वनवासी बच्चों के लिए अपना जीवन समर्पित करना ही उस भारतीय स्वभाव का प्रकटीकरण है, जो परिणाम की चिंता किए बिना उत्कृष्ट कर्म करने में विश्वास रखता है।

धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों को मिली बड़ी राहत

51.74 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान उपार्जित : किसानों से उपार्जित धान का समय पर भुगतान भी हुआ सुनिश्चित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाताओं को समर्थ बनाना हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसानों को बगैर बाधा के उनकी उपज का पूरा मूल्य, समय पर मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ सीजन 2025-26 में 51.74 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान का उपार्जन हुआ। उपार्जन के आंकड़े नीतियों की सफलता दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के लिए तकनीक आधारित भुगतान प्रणाली लागू की गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में धान उपार्जन की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारु और किसान-हितैषी बनाया गया है। इसके बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि खरीफ़ सीजन में धान (कॉमन) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,369 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया था, जो पिछले सत्र के एमएसपी से 69 रुपए अधिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में की गई यह वृद्धि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार का ठोस प्रयास है। पिछले खरीफ़ सीजन में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल था। गत सत्र में तय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 6 लाख 69 हज़ार 272 धान उत्पादक किसानों से कुल 43 लाख 52 हज़ार 905 मीट्रिक टन धान उपार्जित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ सत्र में प्रदेश में 8 लाख 59 हज़ार 822 धान उत्पादक किसानों का पंजीयन किया गया था। इनमें से 7 लाख 89 हज़ार 757 किसानों (करीब 92 प्रतिशत) ने स्लॉट बुक कर धान उपार्जन प्रक्रिया में भाग लिया। इन किसानों में से 7 लाख 62 हज़ार 620 किसान (89 प्रतिशत) धान विक्रेता के रूप में उपार्जन केंद्रों पर पहुंचे। इस वर्ष धान उपार्जन के लिए प्रदेश में 1,436 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए। इन केंद्रों के जरिए इस सीजन में 51 लाख 74 हज़ार 792 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया। उपार्जित धान में से 48 लाख 38 हज़ार 637 मीट्रिक टन से अधिक धान का परिवहन भी पूरा कर लिया गया है। परिवहन किए गए धान में से 46 लाख 30 हज़ार 21 मीट्रिक टन धान गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत स्वीकार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस सीजन में उपार्जित धान के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य कुल 12 हज़ार 259 करोड़ रुपये आंकलित किया गया। इस आंकलित मूल्य में से करीब 11 हज़ार करोड़ रुपये किसानों के बैंक खातों में सीधे अंतरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन मूल्य से किसानों को आर्थिक संबल मिला है और वे अगली फसल से जुड़े कार्यों की तैयारी भी बड़े आत्मविश्वास के साथ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धान उपार्जन की संपूर्ण प्रक्रिया की निरंतर निगरानी की गई, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें शासन की योजनाओं का पूरा लाभ भी समय पर प्राप्त हो सके।

आरक्षक से एसआई तक पदोन्नति की तैयारी!

सीएम के निर्देश पर डीजीपी ने एएसआई, एसआई की पात्रता सूची बनाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक तक पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसके तहत पुलिस मुख्यालय ने दो अलग-अलग पदोन्नति समितियों का नए सिरे से गठन किया है।इन समितियों को विभिन्न रैंक की पदोन्नति से जुड़े रिकॉर्ड की जांच और पात्रता सूची (फिट लिस्ट) तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर और सहायक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक तक की पदोन्नति प्रक्रिया के लिए दो समितियां बनाई गई हैं। पहली समिति की अध्यक्षता एडीजी केपी व्यंकटेश्वर राव कर रहे हैं, जबकि दूसरी समिति की जिम्मेदारी एडीजी जयदीप प्रसाद को सौंपी गई है। पुलिस मुख्यालय की प्रशासन शाखा ने उपनिरीक्षक से निरीक्षक और सूबेदार से रक्षित निरीक्षक की पदोन्नति के लिए पात्रता सूची तैयार करने का कार्य संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया है। एडीजी केपी व्यंकटेश्वर राव की अध्यक्षता वाली समिति में डीआईजी संतोष सिंह गौर, ओपी त्रिपाठी और एआईजी अमित सक्सेना को सदस्य बनाया गया है। यह समिति उपनिरीक्षकों और सूबेदारों के सेवा रिकॉर्ड, गोपनीय चरित्रावली और अन्य मानकों की जांच कर फिट लिस्ट तैयार करेगी। इसी तरह सहायक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक पदोन्नति के लिए एडीजी जयदीप प्रसाद की अध्यक्षता में गठित समिति में आईजी एन चैत्रा, डीआईजी साकेत प्रकाश पांडे और एआईजी बीना सिंह को सदस्य बनाया गया है।

चेन सिस्टम से होगी पदोन्नति

इन समितियों की निगरानी में सभी संबंधित कर्मचारियों का रिकॉर्ड जांचा जाएगा और पदोन्नति के लिए पात्रता सूची तैयार की जाएगी। एएसआई से एसआई की पदोन्नति होने के बाद सहायक उपनिरीक्षक के पद खाली होंगे, जिन पर प्रधान आरक्षकों को पदोन्नति दी जाएगी। वहीं प्रधान आरक्षकों के पद रिक्त होने पर आरक्षकों को प्रधान आरक्षक बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस तरह पुलिस मुख्यालय ने आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक तक की पदोन्नति प्रक्रिया को एक साथ आगे बढ़ाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। हालांकि, पदोन्नति आदेश कब तक जारी होंगे, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। दरअसल मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले दिनों डीजीपी को निर्देश दिए थे। जिसके बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने कमेटी का गठन कर दिया है।

मप्र को मिली एक और महिला आईपीएस अधिकारी

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस कैडर को एक और युवा महिला आईपीएस अधिकारी की सौगात मिली है। उत्तराखंड कैडर की 2024 बैच की आईपीएस अधिकारी इशिता भाटिया को अब मध्य प्रदेश कैडर आवंटित किया गया है। यह कैडर परिवर्तन उनके विवाह के आधार पर किया गया है। इशिता भाटिया का विवाह मध्य प्रदेश कैडर के 2022 बैच के आईएफएस अधिकारी हिमांशु त्यागी से हुआ है।

केंद्र सरकार की अखिल भारतीय सेवा कैडर नीति के तहत पति-पत्नी को एक ही राज्य कैडर में सेवा का अवसर देने का प्रावधान है। इसी नीति के अंतर्गत इशिता भाटिया का उत्तराखंड से मध्य प्रदेश कैडर में स्थानांतरण किया गया है। गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की स्वीकृति के बाद इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी किए गए हैं। इशिता भाटिया ने वर्ष 2024 की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल कर आईपीएस सेवा में प्रवेश किया था। वर्तमान में वह प्रशिक्षण काल में हैं। कैडर परिवर्तन के बाद अब वह मध्य प्रदेश पुलिस कैडर में अपनी सेवाएं देंगी। प्रशासनिक हलकों में इसे राज्य के लिए सकारात्मक और लाभकारी कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे राज्य को एक और प्रशिक्षित और सक्षम महिला पुलिस अधिकारी मिली है।

अफसरों को केंद्र की नीति का मिला फायदा

इशिता के पति हिमांशु त्यागी भारतीय वन सेवा के 2022 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में मध्य प्रदेश कैडर में पदस्थ हैं। दोनों अधिकारियों के एक ही राज्य कैडर में होने से न केवल पारिवारिक संतुलन बना रहेगा, बल्कि प्रशासनिक दृष्टि से भी समन्वय बेहतर होगा। केंद्र सरकार की नीति का उद्देश्य भी यही है कि अधिकारियों को पारिवारिक कारणों से अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

सरकारी बंगलों में कर्मचारी नहीं जमा पाएंगे पैर

- खाली न करने पर देना होगा 90 हजार तक जुर्माना

भोपाल। राजधानी भोपाल से तबादला होने के बाद अब अधिकारी-कर्मचारी शासकीय आवास पर लंबे समय तक कब्जा बनाकर नहीं रख सकेंगे। सभी अधिकारी कर्मचारियों को तबादला होने के 6 माह बाद शासकीय मकान छोडऩा होगा। ऐसा न करने पर अधिकारियों को 90 हजार रुपये तक जुर्माना भरना होगा। राज्य सरकार ने शासकीय आवासों में अवैध रूप से रहने वाले कर्मचारी-अधिकारियों पर कार्रवाई की नई दरें जारी कर दी है। यह नियम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से लेकर आला अधिकारियों तक पर लागू होगा।

सामान्य प्रशासन विभाग ने भोपाल स्थिति शासकीय आवास आवंटन नियम 2000 में संशोधन कर इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। आवंटन नियम के नियम 17 में प्रावधान किया गया है कि भोपाल से दूसरे शहर तबादला होने पर सरकारी कर्मचारी ज्यादा से ज्यादा 6 माह की अवधि के लिए सामान्य दर पर आवास की अनुमति प्राप्त कर सकेगा। इसके बाद जुर्माना राशि के साथ किराया वसूल किया जाएगा। साथ ही बेदखली की कार्रवाई की जाएगी। कर्मचारी/अधिकारी रिटायरमेंट होने की स्थिति में 6 माह तक शासकीय आवास में रह सकेगा, लेकिन शुरुआत के 3 माह तक सामान्य किराया भरना होगा। लेकिन इसके बाद अगले तीन माह सामान्य किराए से 10 गुना दर पर आवास में रह सकेगा। यानी यदि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है, जो 100 रुपए मासिक पर मकान में रह रहा है, तो उसे अगले तीन माह बाद 200 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से राशि देनी होगी। छह माह का समय होने के बाद बेदखली की कार्रवाई की जाएगी।यदि कोई कर्मचारी/अधिकारी सेवा से त्यागपत्र दे देता है तो वह तीन माह तक ही सामान्य किराए पर मकान में रह सकेगा। तीन माह बाद जुर्माना राशि वसूली जाएगी ओर बेदखली की कार्रवाई की जाएगी।

किस पर कितना लगेगा जुर्माना

बी श्रेणी के मकान में रहने वाले अधिकारियों को सामान्य किराया 3 हजार रुपए भरना होता है। 6 माह बाद उन्हें 90 हजार रुपए मासिक देना होगा। सी श्रेणी के आवास में रहने वाले अधिकारी/कर्मचारियों का सामान्य किराया 2400 मासिक है। 6 माह बाद उन्हें 72000 रुपए मासिक भरना होगा। डी श्रेणी के आवास में रहने वाले कर्मचारियों का सामान्य किराया 1800 रुपए है। छह माह की समय सीमा पूरी होने पर 54000 मासिक भरना होगा। ई श्रेणी के आवास में रहने वाले कर्मचारियों का सामान्य किराया 1500 रुपए मासिक है। 6 माह बाद 45 हजार रुपए मासिक भरना होगा। एफ श्रेणी के आवास का सामान्य किराया 900 रुपए मासिक है। छह माह बाद इसमें रहने वाले कर्मचारी से 27 हजार रुपए वसूला जाएगा। जी श्रेणी के आवास का सामान्य किराया 600 रुपए मासिक है। छह माह बाद 18000 रुपए मासिक वसूला जाएगा। एच श्रेणी के आवास का सामान्य किराया 300 रुपए मासिक है। छह माह बाद 9000 हजार रुपए मासिक वसूला जाएगा।

हर माह बढ़ेगा जुर्माना

छह माह बाद जुर्माना की राशि में सामान्य किराए का तीन गुना राशि जुड़ती जाएगी। जैसे यदि बी श्रेणी के आवास का सामान्य किराया 3 हजार रुपए है तो सातवें माह यह 99 हजार रुपये, आठवें माह 1 लाख 8 हजार रुपये हो जाएगी।

रेत खदान ठेका छोडऩा पड़ेगा महंगा

एक साल से पहले सरेंडर नहीं कर सकेंगे ठेकेदार, नुकसान की भरपाई भी करनी होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में रेत खदानों का ठेका लेकर बीच में छोडऩा अब ठेकेदारों को भारी पड़ेगा। राज्य सरकार ने रेत खनन से जुड़े नियमों में सख्ती करते हुए ठेकेदारों पर नई शर्तें लागू कर दी हैं। अब यदि कोई ठेकेदार बीच अवधि में रेत खदान का ठेका छोड़ता है और दोबारा होने वाली नीलामी में ठेका मूल्य कम प्राप्त होता है, तो शेष अवधि के लिए हुए राजस्व नुकसान की भरपाई पुराने ठेकेदार को ही करनी होगी। इसके साथ ही एक नई शर्त जोड़ी गई है कि रेत खदान का ठेका लेने के बाद ठेकेदार उसे कम से कम एक साल तक सरेंडर नहीं कर सकेगा।

खनिज विभाग ने इसके लिए मध्य प्रदेश रेत खनन, परिवहन, भंडारण एवं व्यापार नियमों में संशोधन कर दिया है। संशोधित नियमों के तहत अब सभी प्रकार की रेत खदानों के ठेके के लिए एक समान प्रारंभिक आधार मूल्य (अपसेट प्राइज) तय किया गया है। समूह की निविदा में शामिल सभी खदानों में उपलब्ध रेत की कुल मात्रा (घन मीटर में) के योग का 250 गुना (रुपयों में) उस समूह का प्रारंभिक आधार मूल्य होगा। हालांकि, रेत की मांग के आकलन के आधार पर खदानों की कुल मात्रा से अलग मात्रा निर्धारित करने का प्रावधान भी रखा गया है।

ठेका छोडऩे पर बढ़ेगा आधार मूल्य

यदि माइन डेवलपर कम ऑपरेटर (एमडीओ) द्वारा ठेका समर्पित किया जाता है और समूह की पुनर्निविदा की जाती है, तो उस समूह का प्रारंभिक आधार मूल्य मूल अनुबंध की तिथि से ठेका समर्पण की प्रभावी तिथि तक की अवधि के लिए प्रत्येक वर्ष या उसके भाग के लिए 10 प्रतिशत की दर से बढ़ाया जाएगा।

ठेकेदार की राशि जब्त करेगा खनिज विभाग

रेत खदानों के ठेके के लिए अब बैंक गारंटी की वैधता अवधि निविदा आमंत्रण की तिथि से 240 दिन होगी। पहले यह अवधि 180 दिन थी। वहीं, यदि सफल ठेकेदार सात दिन में निर्धारित राशि जमा नहीं कर पाता है, तो वह कारण बताते हुए अतिरिक्त समय की मांग कर सकेगा। समुचित कारणों पर खनिज निगम अधिकतम 10 दिन का अतिरिक्त समय दे सकेगा। इसके बाद भी राशि जमा नहीं होने पर निविदा निरस्त कर दी जाएगी और जमा की गई अग्रिम राशि निगम द्वारा जब्त कर ली जाएगी। इसके बाद पुन: ई-निविदा सह नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

इतिहास रचते हुए फाइनल में किया प्रवेशः 6 फरवरी को इंग्लैंड से होगा मुकाबला

हरारे । हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए आईसीसी मेन्स अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर फाइनल में धमाकेदार प्रवेश किया। भारत पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय बना हुआ है और अब 6 फरवरी को इंग्लैंड से खिताबी मुकाबला खेलेगा।

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 310 रन बनाए और भारत के सामने 311 का बड़ा लक्ष्य रखा। लेकिन टीम इंडिया ने रिकॉर्ड रनचेज कर इतिहास रच दिया। अंडर-19 विश्व कप इतिहास में पहली बार किसी टीम ने इतना बड़ा लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

टारगेट का पीछा करते हुए ओपनर वैभव सूर्यवंशी और एरॉन जॉर्ज ने भारत को धमाकेदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े।

वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों पर 68 रन ठोके, जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे। एरॉन जॉर्ज ने 104 गेंदों पर 115 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उन्होंने 15 चौके और 2 छक्के जमाए।

कप्तान आयुष म्हात्रे ने भी 59 गेंदों पर 62 रन बनाकर चेज़ को आसान बना दिया। उनके आउट होने के बाद जॉर्ज ने उप-कप्तान विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी कर भारत को फाइनल में पहुंचा दिया। विहान 38 रन पर नाबाद रहे।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम की शुरुआत अच्छी रही। ओस्मान सादात (39) और खालिद अहमदजई (31) ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। दूसरे विकेट के लिए ओस्मान और फैसल शिनोजादा ने 64 रन की साझेदारी की। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में अच्छी वापसी करते हुए अफगानिस्तान को 310 रन पर रोका।

एमसीसी ने क्रिकेट के नियमों में किये कई बदलाव

1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे

लंदन। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कई बदलाव किये हैं। एमसीसी के नियमों में किये गये बदलावों से खेल पर भी प्रभाव पड़ना तय है। एमसीसी के अनुसार 9 नियमों में बदलाव किया गया है। इससे मैच की रणनीति, खिलाड़ियों के प्रदर्शन और अंपायरिंग पर भी प्रभाव पड़ेगा। ये नियम आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे।

जूनियर और महिला क्रिकेट में गेंद के आकार में किया गया बदलाव

एमसीसी के अनुसार महिला और जूनियर क्रिकेट में खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग साइज और वजन की गेंदों का उपयोग होगा। एमसीसी के अनुसार, गेंद अब साइज 1, साइज 2 और साइज 3 में रहेगी। साइज 1 गेंद पुरुष क्रिकेट के लिए रहेगी जबकि बाकी अन्य महिला क्रिकेट और जूनियर वर्ग में उपयोग की जाएगी।

लैमिनेटेड बल्लों के उपयोग की अनुमति दी

वहीं एमसीसी ने ओपन एज क्रिकेट में लैमिनेटेड बल्लों के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। इन बल्लों में लकड़ी के तीन टुकड़ों का उपयोग किया जा सकता है। परीक्षण के दौरान यह साफ हुआ कि इन बल्लों से प्रदर्शन में कोई अधिक अंतर नहीं पड़ता। अंतरराष्ट्रीय क्रिके ट में हालांकि में अब भी एक ही लकड़ी से बने बल्ले इस्तमाल किये जाएंगे।

हिट विकेट के नियम में आया अंतर

अगर बल्लेबाज या उसका कोई उपकरण किसी फील्डर से टकराकर स्टंप्स से लगता है, तो उसे हिट विकेट नहीं माना जाएगा पर यदि बल्लेबाज शॉट खेलते समय स्वयं स्टंप्स से टकराता है, तो वह हिट विकेट होगा।

रन आउट और स्टंपिंग नियम में भी बदलाव

रन आउट और स्टंपिंग नियम में भी बदलाव किया गया है। इसके तहत ही अब रन आउट और स्टंपिंग तभी मानी जाएगी जब गेंद पूरी तरह फील्डर या विकेटकीपर के हाथ में हो।

अंतिम ओवर में विकेट गिरने पर नहीं रुकेगा खेल

अब मल्टी-डे क्रिकेट में दिन के अंतिम ओवर के दौरान विकेट गिरने पर खेल रोका नहीं जाएगा और उस ओवर की बची हुई सभी गेंदें फेंकी जाएंगी। उसके बाद ही दिन का खेल समाप्त होगा। इससे गेंदबाजी टीम को पूरा अवसर मिलेगा।

अधूरा रन लेने पर सख्ती

अगर बल्लेबाज जानबूझकर अधूरा रन लेते हैं, तो फील्डिंग टीम यह तय कर सकेगी कि अगली गेंद पर कौन बल्लेबाज स्ट्राइक पर रहेगा। इस नियम का मकसद बल्लेबाजों को गैरजरुरी लाभ लेने से रोकना है।

सीमा रखा पर कैच का नियम बदला

सीमा रेखा के पास कैच लेते समय अब फील्डर को सिर्फ एक मौका मिलेगा। वह गेंद को बार-बार हवा में उछालकर बाउंड्री के बाहर से अंदर नहीं ला सकेगा। फील्डर को या तो खुद कैच लेना होगा या एक ही बार में अपने साथी की ओर गेंद को धकेलना होगा।

ओवरथ्रो को लेकर भी बदला नियम

अगर थ्रो के बाद गेंद बिना किसी फील्डर के प्रयास के आगे निकल जाती है, तो उसे ओवरथ्रो माना जाएगा पर यदि फील्डर गेंद को रोकने की कोशिश करता है और सफल नहीं होता है तो वह मिसफील्ड मानी जाएगी।

गेंद के 'सैटल' होने के नियम में बदलाव

अब गेंद का विकेटकीपर या गेंदबाज के हाथ में जाना जरूरी नहीं होगा। अगर कोई फील्डर स्थिर अवस्था में गेंद को नियंत्रित करता है, तो अंपायर उसे डेड बॉल या सैटल गेंद मान सकते हैं।

कीपर का स्टंप्स के पीछे होना जरूरी

अगर गेंदबाज रन-अप में है और उस समय विकेटकीपर के दस्ताने स्टंप्स के आगे हैं, तो गेंद नो-बॉल नहीं होगी। हालांकि गेंद फेंके जाने के समय कीपर का स्टंप्स के पीछे होना जरूरी रहेगा।

भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस ले सकता है पाकिस्तान

लाहौर । पाकिस्तान सरकार टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच से बाहर रहने के अपने फैसले को वापस ले सकती है। पाक सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत का जबरदस्त दबाब भी है। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी उसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाया हुआ है। पीसीबी को इस मामले में बांग्लादेश के अलावा किसी भी देश के बोर्ड का समर्थन नहीं मिला है। इससे उसे अलग-थलग पड़ जाने का भी डर सता रहा है। ऐसे में उसके पास अपना फैसला बदलने के अलावा कोई अन्य रास्ता नहीं है। अब इस फैसले से पीछे हटने के अलावा कोई ठोस विकल्प नजर नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने कहा था कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा पर 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगा। वहीं आईसीसी ने कहा है कि उसे , अब तक पीसीबी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। आईसीसी ने पाकिस्तान से अपने फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा है साथ ही चेतावनी दी है कि उसके इस फैसले का विपरीत प्रभाव भविष्य में भी पड़ेगा। पाकिस्तान अगर अपने फैसले पर अड़ा रहा तो उसे आर्थिक रुप से काफी नुकसान झेलना पड़ेगगा। एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मुकाबले से ही अकेले 2000 करोड़ रुपये (करीब 250 मिलियन डॉलर) की आय होती है। ऐसे में मैच के बहिष्कार से पाकिस्तान को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा उसपर आर्थिक प्रतिबंध लगाये जा सकते हैं और टूर्नामेंट से निलंबन भी किया जा सकता है। वहीं पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कमरान अकमल ने पाकिस्तान सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि आईसीसी पाकिस्तान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी - वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुअती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की।

इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4-1 से हराया।

वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4-1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5-0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण

पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है।

वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया ।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पुरुष और महिला टेनिस रैंकिंग में आये बदलाव

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ओपन में आये परिणामों के बाद पुरुष टेनिस रैंकिंग (एटीपी) और महिला टेनिस रैंकिंग (डब्लयूटीए) में बदलाव आया है। कई खिलाड़ी हालांकि अपनी-अपने स्थान बरकरार रखने में सफल रहे हैं। पुरुष वर्ग में स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ जबकि महिला वर्ग में बेलारुस की एरीना सबालेंका शीर्ष पर बने हुए हैं

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ से हार के बाद भी तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। जोकोविच को रैंकिंग में एक स्थान का लाभ मिला है।

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैव में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

वॉशिंगटन सुंदर के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें बढ़ीं

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के 7 फरवरी से शुरु होने वाले टी20 विश्वकप से पहले फिट होने की उम्मीद बढ़ गयी हैं। सुंदर स्पिन गेंदबाजी करने के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं, ऐसे में उनके फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान पसली में चोट लगने से हुई थी जिससे अब वह उबर रहे हैं। वह टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। सुंदर ने बल्लेबाजी सत्र पूरा कर लिया है। 2 फरवरी को उन्होंने अभ्यास के दौरान चार ओवर गेंदबाजी की थी। 4 फरवरी को वह एक और गेंदबाजी सत्र से गुजरेंगे। इसके बाद ही पता चलेगा कि वह मैच के लिए कितने फिट हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी उम्मीद है कि सुंदर विश्वकप में खेल पायंगे। उन्होंने कहा, सुंदर तेजी से उबर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास किया है और उनमें सुधार हुआ है। उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। सुंदर दबाव के क्षणों में विकेट निकालने और निचले ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में उनके टीम में रहने से काफी लाभ होता है। टी20 विश्वकप 2026 में भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है।

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ्र है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है।

वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की ज्ञ20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, महीश तीक्षणा और दुश्मंथा चमीरा पर आधारित रहेगी। श्रीलंकाई टीम विश्वकप में ग्रुप बी में रखी गयी है। वह 8 फरवरी को अपना पहला मुकाबला आयरलैंड से खेलेगी।

शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी-जिला बालाघाट म0प्र0

क्र. 220 दिनांक 08.01.2026

-: निविदा विज्ञप्ति :-

संचालनलय पशु पालन एवं डेयरी विभाग, मध्य प्रदेश की ओर से शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गढी-जिला बालाघाट म0प्र0 पर निम्न कार्यो हेतु e-procurementप्रणाली Portal http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन कृषि मजदुर ठेकेदार से निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि रू. लाख में	अमानत राशि (EMD) रू.में	कार्य अवधि	आन लाईन टेंडर प्रारंभ तिथि	आन लाईन टेंडर अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	NIT No. JDVS JBP. 02/2026	वर्ष 2026-27 हेतु पशुपालन एवं कृषि गतिविधियों से संबंधित विभिन्न कार्यो हेतु प्रतिदिन 18मजदुरो का प्रदाय कार्य	2200000	44000.	01.04. 2026 से 31मार्च 2027तक	05.02.2026	26.02.2026

1. निविदा प्रपत्र उक्त बेवसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं ।
2. निविदा संबंधी समस्त जानकारी बेवसाईट पर अथवा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं ।

जी-25308/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

प्रबंधक
शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र
गढी-जिला बालाघाट म0प्र0

शब ए बारात पर रातभर हुई इबादत,दिवंगत पूर्वजों को किया गया याद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुस्लिम समाज का पर्व शबे बारात 3 फरवरी की रात जिलेभर में ईबादत के साथ मनाया गया। इस पर्व विशेष पर जहां लोगों ने अपने दिवंगत पूर्वजों को याद किया। तो वहीं कब्रिस्तान पहुंचकर उनकी कब्र पर रोशनाई करते हुए पुष्प अर्पित किये गये। वहीं रात्रि में विशेष नमाजे अदा कर दुवाएं मांगी गई। पूरी रात ईबादत का यह सिलसिला शुरू रहा जो बुधवार प्रातः अजर की नमाज तक जारी था। इसके अलावा शबे बारात को लेकर धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराए गए।पर्व विशेष पर मंगलवार शाम को विशेष नमाज पुरूषों ने मस्जिदों और महिलाओं ने घरों में अदा की।शबे बारात को कुरान की तिलावत, धर्म गुरूओं का प्रवचन, दरूदो सलाम के कार्यक्रम आयोजित किये गये।इस मौके पर कब्रिस्तान में खासी भीड़ बनी रही, क्योंकि वर्ष में एक बार आने वाली इस शबे बारात को लोग अपने दिवंगत पूर्वजों की याद मनाते है इसलिए कब्रिस्तान में रोशनाई की गई थी। साथ ही मस्जिदों को भी आकर्षक सजाया गया था। धार्मिक मान्यताओं के तहत इस दिन लोगों ने रोजा रखा और दिनभर ईबादत की, जबकि रात को भी यह क्रम जारी रहा।शबे बारात को लेकर बताया जाता है कि इस रात को हर काम बाट दिया जाता है, हर बंदे, का पूरे साल का हिसाब लिख दिया जाता हैं, याने बंदे का काम, उसकी रोजी रोटी, उसकी उम्र, साथ ही साल भर का हर पैदा होने वाला, हर मरने वाला।यह सभी बाते उसके पूर्व वर्ष में किये गये कार्यो के आधार पर तय की जाती है। इसलिए शबे बारात को खास रातों में से एक माना जाता है और मुस्लिम समाजन इस रात को इसी तरह ईबादत के साथ मनाते है।

मस्जिदों में किए गए विभिन्न कार्यक्रम

शब ए बारात के खास मौके पर मंगलवार 3 फरवरी की शाम को विशेष नमाज मस्जिदों में अदा की गई जिसमें काफी भीड़ बनी रही। इस नमाज के बाद कुरआन की आयत पढ़ी गई जिसके बाद सभी ने दुवाएं की। रात्रि में कब्रिस्तान पहुंचकर अपने दिवंगत पूर्वजों–नाते–रिश्तेदारों की कब्र पर पुष्प अर्पित किये गये और उनके लिये भी दुवाएं मांगी गई। जहां खास तौर पर मस्जिदों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए, जिसमें नात खानी, कुरआन खानी ,तकरीर, तबरूक वितरण सहित अन्य कार्यक्रम हुए ।वहीं रात भर जागकर लोगों ने इबादत कर खुदा से अपनी गुनाहों की माफी मांगी। रातभर ईबादत का यह सिलसिला 4 फरवरी बुधवार की सुबहा तक देखने को मिला।आपको बताए कि शबे बारात पर यह नजारा केवल नगर ही नही बल्कि अन्य तहसीलो और ग्रामिण अंचलों में भी

संत रविदास जयंती पर कवि सम्मेलन सम्पन्न

मानवता से बढ़कर कोई पंत नहीं- अश्क

पद्मेश न्यूज। नांदी। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर सदगुरु सामाजिक संगठन कटंगी तिरोडी के तत्वावधान में एक फरवरी को भव्य कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ कटंगी मुख्यालय में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर कटंगी–खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा रविदास सामाजिक सामुदायिक भवन का भुमि पुजन किया गया। जहां पहले स्वीकृत राशि दस लाख को बीस लाख किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संत रविदास के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। जहां स्वागत गीत और मंचीय उद्बोधन के बाद मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उसके बाद भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जहां सभी कवियों को फुलमाला और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संत रविदास की वंदना से लता शबनम ने अपनी सुमधुर वाणी में की।समतपुरी के गोविंदा गावठी के गीतों से कवि सम्मेलन की शुरुआत हुई। जहां बिखरा बिखरा ,मेरा संगठन जोड़ दे अब तो घर घर में रैदास तू छोड़ दे। पर खूब तालियां बजीं। संजय अश्क की क्रांतिकारी कविताओं पर खूब वाहवाही मिली।उनकी पंक्तियां मानवता से बढ़कर कोई पंत नहीं, प्रेम का होता कभी भाई अंत नहीं। दुनिया में आये कई साधु सन्यासी,पर गुरु रविदास सा कोई संत नहीं।पर अपार प्रेम मिला। किशोर सागर का शानदार अंदाज और कविता –तुम्हारी रहमतों से ही तो उल्लास है बाबा,जयंती का तुम्हारे ही ये दिन खास है बाबा।खूब सराही गई।लता शबनम की पंक्तियां जो प्यार में गुज़रे हैं उसी पल को याद रखना,समस्या नहीं समस्याओं के हल को याद रखना।ने पुरे बदन को कायल कर दिया । हलचल बालाघाटी के गीतों पर श्रोता झुमते रहे। सुनिल अंकुर की पंक्तियों पर खूब तालियां बजीं।पुरे कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन करते शैलेश शैल ने एक से बढ़कर एक शिक्षाप्रद कविताओं से श्रोताओं को अनंत तक बांधे रखा। उनकी पंक्तियां–शोर बादल कर चुके बूंदों को आना चाहिए,समाज में अब नया बदलाव लाना चाहिएजातियों के दल–दल में फंसा भारत रोता हैं,किसी ना किसी घर में सदगुरु रैदास को आ ही जाना चाहिए।पर श्रोताओं का अपार स्नेह मिला।अंत में सभी कवियों का आभार जितेन्द्र भोंडेकर और दुर्गा प्रसाद खरोले ने व्यक्त किया।

हायर सेकेण्डरी की 10 फरवरी एवं हाईस्कूल की 13 फरवरी से प्रारंभ होगी बोर्ड परीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल की कक्षा 10 हाई स्कूल एवं कक्षा 12 हायर सेकेण्डरी की बोर्ड परीक्षाओं का टाईम टेबल निर्धारित कर दिया गया है। हायर सेकेण्डरी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होगी जबकि हाईस्कूल कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होगी।

हायर सेकेण्डरी कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा के टाईम टेबल के अनुसार 10 फरवरी को अंग्रेजी, 13 फरवरी को भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनीमल हस्बेण्ड्री, मिल्क ट्रेड, पोल्ट्रीफार्म एवं फिशरीज, विज्ञान के तथ्य एवं भारतीय कला का इतिहास विषय के प्रश्न पत्र होंगे। 14 फरवरी को बायोटेक्नॉलाजी, गायनवादन एवं दबला पखावज का प्रश्न पत्र होगा। 16 फरवरी को संस्कृत, 17 फरवरी को ड्राइंग एंड डिजाईन, 18 फरवरी को रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एलिमेंट आफ साइंस एन मेथिमेटिक्स यूजफूल फॉर एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग, गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान, 19 फरवरी को मनोविज्ञान, 20 फरवरी को एनएसक्यूएफ के समस्त विषय, शारीरिक शिक्षा एवं एआई के प्रश्नपत्र होंगे। 21 फरवरी को कृषि, होमसाईंस, कला समूह एवं एकाउंटेंसी, 23 फरवरी को बायोलॉजी, 25 फरवरी को गणित, 26 फरवरी को राजनीतिशास्त्र, 27 फरवरी को इंफारमेटिक प्रेक्टिसेस, 02 मार्च को समाजशास्त्र, 05 मार्च को भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एंड हार्टिकल्चर, स्टील लाईफ एंड डिजाईन, शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य, 06 मार्च को उर्दू, मराठी एवं 07 मार्च को हिंदी का प्रश्न पत्र होगा।

हाईस्कूल कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होगी। 13 फरवरी को उर्दू, 14 फरवरी को एनएसक्यूएफ के समस्त विषय एवं एआई, 17 फरवरी को अंग्रेजी, 19 को संस्कृत, 20 फरवरी को मराठी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी एवं मूकबधिर तथा दृष्टिहीन छात्रों के लिए चित्रकला, गायनवादन, तबलापखावज, कम्प्युटर, 24 फरवरी को गणित स्टेंडर्ड व बेसिक, 27 फरवरी को विज्ञान, 02 मार्च को सामाजिक विज्ञान एवं 06 मार्च को हिंदी विषय के प्रश्न पत्र होंगे।

सभी प्रश्न पत्र प्रातः 09 से दोपहर 12 बजे तक होंगे। समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रातः 08 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी भी छात्र को प्रवेश नही दिया जाएगा।

युमनाम खेमचंद बने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री, प्रदेश में शांति बहाली सबसे बड़ी चुनौती

लोसी दिखो और नेमचा किपगेन ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ

इंफाल। एजेंसी। मणिपुर को करीब एक साल बाद पूर्णकालिक सरकार मिल गई है। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल स्थित लोकभवन में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्य में 356 दिन से लागू राष्ट्रपति शासन समाप्त हो गया और एक बार फिर एनडीए की सरकार का गठन हुआ।

मैतेई समुदाय से आने वाले युमनाम खेमचंद सिंह पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ रही है। मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालते ही उनके सामने राज्य में शांति बहाल करने और जातीय तनाव को कम करने की बड़ी चुनौती होगी।

नई सरकार में सामाजिक संतुलन साधने पर विशेष जोर दिया गया है। नगा समुदाय से आने वाले लोसी दिखो को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं और पहाड़ी इलाकों में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। वहीं, कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली नेमचा किपगेन ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ ली। नेमचा किपगेन मणिपुर की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनी हैं, जिसे राज्य की राजनीति में एक

अहम कदम माना जा रहा है।

गौरतलब है कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच लंबे समय से चल रही जातीय हिंसा के चलते राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो गई थी। इसी के बाद 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालात को देखते हुए चार दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के बाद नई सरकार ने शपथ ग्रहण की है।

राज्य के गृह मंत्री पद को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सूत्रों के मुताबिक, कोंथौजम गोविंदास सिंह का नाम इस अहम जिम्मेदारी के लिए सामने आ रहा है, हालांकि इस पर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

राजनीतिक घटनाक्रम की बात करें तो 3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा विधायक दल की बैठक हुई थी, जिसमें युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया। इसके अगले दिन, 4 फरवरी को एनडीए के घटक दलों की बैठक में मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के नामों पर अंतिम मुहर लगी।

म्यांमार में 5.9 तीव्रता का जोरदार भूकंप, कोलकाता और बांग्लादेश तक महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली। एजेंसी। मंगलवार की रात को म्यांमार में आए 5.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पड़ोसी देशों समेत व्यापक क्षेत्र में दहशत पैदा कर दी। इस भूकंप के तेज झटके भारत के पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश बांग्लादेश के कई हिस्सों में महसूस किए गए। यूरोपीय-मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार के अक्स्याब (सिटवे) शहर से लगभग 70 मील पूर्व में स्थित था। हालांकि यह भूकंप जमीन की गहराई में आया था, लेकिन इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि सतह पर जोरदार कंपन महसूस किया गया। भारत में विशेष रूप से कोलकाता, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जैसे इलाकों में इमारतों के हिलने से लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। कुछ ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भी देखी गई, जहां लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। राहत की बात यह है कि अभी तक म्यांमार, भारत या बांग्लादेश के किसी भी हिस्से से जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय यह है कि पिछले 71 घंटों के भीतर म्यांमार में यह तीसरा भूकंपीय झटका है।

पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम मे पॉलीथिन को करो बॉय,कपड़े के थैली को अपनाऐं जागरूकता का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शासकीय हाईस्कूल बेलगांव मे सतत् जीवन शैली कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया। इस कार्यक्रम के तहत् पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम मे बच्चों को कपड़ों के थैलियों को बनाना सिखाया गया और आमजनमानस के लिए जागरूकता का संदेश दिया गया।इस दौरान सिंगल यूज़ पॉलीथिन का उपयोग कम कर घर के पुराने कपड़ों से थैले निर्माण कर पर्यावरण और पैसे दोनों की बचत कर सकते हैं। बच्चों द्वारा पुराने कपड़ों से थैले बनाए गए सर्वश्रेष्ठ थैले बनाने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए तथा कार्यक्रम के अंत मे बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य जी पी सोनी, शिक्षक हेमराज कावड़े, किशोर कुमार सिरसाज, निकेश कुमार गौतम, राजेश वंजारी, राजेन्द्र पारधी, शिव कुमार मेश्राम, रंजीत राहंगडाले उपस्थित रहे।

एंडीज पर्वतमाला में स्थित सबसे ऊंची चोटी पर बनारस की बेटी ने लहराया तिंरगा

वाराणसी। एजेंसी। माउंट अकोंकागुआ दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना में एंडीज पर्वतमाला में स्थित सबसे ऊंची चोटी है। यहां हवा की गति बहुत तेज होती है। 16 किलो वजन का सूट पहनने के बाद भी 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार वाली हवा मुझे उड़ाकर ले गई। मेरी आंखों के सामने अंधेरा छा गया था। मैं कुछ नीचे आकर गिरी और चोट लगी पर अब मुझे सुकून है कि मैंने 6961 मीटर की एशिया के बाहर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी को फतह किया है। ये कहना है वाराणसी की पर्वतारोही गुंजन अग्रवाल का है। जो 49 साल की उम्र में पहाड़ों को छोटा कर उनपर आसानी से ट्रेकिंग कर रही हैं। गुंजन ने कहा कि बस मेरे पति हर बार पूछ लेते हैं कि अब टास्क पूरा हो गया न। मगर फिर मैं प्रैक्टिस में लग जाती हूं, जिसमें मेरे फिटनेस कोच हीरा सिंह का योगदान रहता है।

गुंजन ने बताया कि कोरोना काल के समय मुझे कोंविड हुआ,

तब मैंने अपनी फिटनेस और इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए दौड़ना शुरू किया। जिसमें मेरे फिटनेस कोच हीरा ने मुझे हमेशा सलाह दी और हर चीजें सिखाई। उन्ही के कहने और सिखाने पर मैंने पर्वतारोही बनने की शुरुआत की। पहले किताबों से जानकारी ली। इसके बाद शुरू किया और जिस एल्ब्रुस पर्वत को हिटलर भी क्रास नहीं कर सका था। उस मैंने क्रास किया। फिर एक साल की मेहनत और लगन के बाद इसी 21 जनवरी को दुनिया के पश्चिमी गोलार्ध के सबसे ऊंचे बिंदु माउंट अकोंकागुआ को फतह किया।

हमने जब शुरू किया और कैंप नंबर तीन पर पहुंचे, तब वहां से फिर हमें कोई कैंप नहीं मिलना था। वहां से सीधे टॉप पर जाना था बिना रुके। इसके बाद 11 जनवरी से शुरू हुआ सफर कैंप नंबर तीन पर आकर रुक गया। यहां हमने कुछ घंटे बिताए और 8 घंटे में लगातार बिना रुके 21 जनवरी को 6961 मीटर को फतह कर उसपर भारत का झंडा लहरा दिया। यह फतह बाबा विश्वनाथ को समर्पित है।

उपमुख्यमंत्री पवार की प्लेन क्रैश में मौत के बाद उठाए जा रहे कई गंभीर सवाल

मुंबई। एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की बारामती हवाई अड्डे के पास प्लेन क्रैश में मौत के बाद, कई गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं, और इस मामले में रोज़ नई जानकारी सामने आ रही है। सवाल पूछा जा रहा है कि प्लेन में पांच लोग थे या छह। अगर छह लोग थे, तो सिर्फ पांच लाशें कैसे मिलीं? इस बीच, एनसीपी विधायक अमोल मिटकरी के एक नए दावे ने हलचल मचा दी है। दरअसल, मिटकरी ने पहले भी कुछ शक ज़ाहिर किए थे। अब, अकोला में उन्होंने अजीत पवार के प्लेन क्रैश को लेकर एक और दावा किया है। अमोल मिटकरी ने बताया कि वह उसी दिन शाम को क्रैश वाली जगह पर गए थे। मिटकरी ने कहा, जब मैं घटना वाले दिन शाम 5 बजे घटनास्थल पर गया, तो वहां के सरपंच ने मुझे चौंकाने वाली जानकारी दी। मिटकरी ने दावा किया, उन्होंने किसी को प्लेन से कूदने की कोशिश करते देखा था। सरपंच ने कहा कि जैसे ही वे उस व्यक्ति को बचाने जा रहे थे, अचानक एक धमाका हुआ, और दुर्भाग्य से पांच लोगों की मौत हो गई। इस बयान ने पूरे मामले को एक नया मोड़ दे दिया है। वहीं मिटकरी ने एक और ज़रूरी जानकारी दी, जिसमें कहा गया कि अभी जो सीसीटीवी फुटेज दिखाया जा रहा है, वह घटना वाले दिन का नहीं, बल्कि तीन महीने पहले का है। उन्होंने अपील की कि उस दिन असल में क्या हुआ था, कौन मौजूद था, और अजीत पवार ने कैसे कपड़े पहने थे, इस बारे में सच्चाई छिपी न रहे, इसके लिए ईमानदारी से कोशिशें की जाएं।अमोल मिटकरी ने कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक लड़ेंगे ताकि अजीत पवार की मौत के आसपास का रहस्य सुलझ जाए और महाराष्ट्र के लोगों के सामने अनसुलझा न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर अजीत पवार का मर्डर हुआ था, तो बदला लेना उनसे प्यार करने वाले हर व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है।

अजीत पवार की आलोचना करने वालों की कड़ी आलोचना

विधायक अमोल मिटकरी ने अजीत पवार की आलोचना करने वालों की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने साफ किया कि जो भी अजीत पवार के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल करेगा, उसे मुंहतोड़ जवाब देने के लिए वे सक्षम हैं और उन्हें इसके नतीजों की कोई चिंता नहीं है।

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव को सरेंडर करने का आदेश, सुनवाई आज

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस से जुड़े मामले में बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को बुधवार को संबंधित जेल अधीक्षक के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। कोर्ट ने राजपाल के व्यवहार को निंदनीय करार देते हुए कहा कि बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद भुगतान न करना कानून के साथ खिलवाड़ है। मामले की अगली सुनवाई कल 5 फरवरी को होगी।

यह मामला दिल्ली की कंपनी मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जिसने राजपाल यादव की कंपनी को फिल्म निर्माण के लिए रुपया दिया था। कोर्ट ने आदेश में कहा कि चेक बाउंस जैसे मामलों में भुगतान को लेकर अदालत को दिए गए आश्वासनों का उल्लंघन करना गंभीर विषय है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने सुनवाई के दौरान कहा कि राजपाल यादव को कई अवसर दिए गए, लेकिन हर बार उन्होंने कोर्ट का भरोसा तोड़ा। दरअसल पूरा मामला साल 2010 का है, जब राजपाल यादव ने बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म अता-पता लापता बनाने के लिए मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से करीब पांच करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। फिल्म आर्थिक रूप से सफल नहीं हुई। इसके बाद कर्ज की रकम लौटाने में लगातार देरी होती गई। शिकायतकर्ता कंपनी का आरोप है कि रकम चुकाने के लिए दिए गए कई चेक बाउंस हो गए। मामले की सुनवाई के दौरान कड़कड़डूमा कोर्ट ने राजपाल यादव को कई बार नोटिस भेजे, लेकिन वे लंबे समय तक अदालत में पेश नहीं हुए, जिसके बाद साल 2013 में उन्हें 10 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वे 3 से 6 दिसंबर 2013 तक चार दिन जेल में रहे। बाद में दिल्ली हाई कोर्ट की खंडपीठ ने उनकी अपील पर सजा निलंबित कर दी थी। मध्यस्थता के दौरान राजपाल ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वे शिकायतकर्ता कंपनी को कुल 2.5 करोड़ रुपए का भुगतान करेंगे। इसमें 40 लाख रुपए की पहली किश्त और 2.10 करोड़ रुपए की दूसरी किश्त शामिल थी, लेकिन कोर्ट के मुताबिक तय समयसीमा बीत जाने के बावजूद एक भी किश्त जमा नहीं की गई। जनवरी 2026 में कोर्ट ने राजपाल यादव को अंतिम मौका दिया था, लेकिन इसके बाद भी भुगतान नहीं हुआ। इस पर सख्त रुख अपनाते हुए अब जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि चेक बाउंस मामलों में बार-बार किए गए वादों का उल्लंघन बेहद गंभीर है। कोर्ट ने कहा कि अभिनेता को कई अवसर दिए गए, लेकिन हर बार उन्होंने अदालत के भरोसे को तोड़ा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी को होगी, जिसमें जेल अधीक्षक से अनुपालन रिपोर्ट मांगी जाएगी।

फैसले सुरक्षित रखे जाने की प्रथा एक बीमारी, इसे खत्म किया जाना चाहिए

सीजेआई बोले- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के साथ बैठक में यह मुद्दा उठाएंगे

नई दिल्ली। एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने समय पर न्याय करने की जरुरत पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट द्वारा महीनों तक फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा 'एक चिह्नित बीमारी' है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जायमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल 4 दिसंबर को एक याचिका खारिज करते हुए मौखिक रूप से फैसला सुनाया था और वह फैसला अब तक अपलोड नहीं किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीठ ने कहा कि अगले हफ्ते के आखिर तक वकील को पूरा फैसला उपलब्ध कराया जाए। देरी का जिक्र करते हुए याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील ने कहा कि ऐसा लगता है कि सिर्फ जुबानी जमा खर्च किया जा रहा है। कोई संदेश जाना चाहिए। यह कानून की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

सीजेआई ने कहा कि मोटे तौर पर दो तरह के जस्टिस होते हैं। उन्होंने कहा कि एक मेहनती जज होते हैं, जो सबकी बात सुनते हैं और 10-15 मामलों में भी फैसला सुरक्षित रख लेते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ जज ऐसे होते हैं, जो इसके बाद फैसले नहीं सुनाते। हम किसी एक व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं। यह न्यायपालिका के सामने एक चुनौती है और यह एक पहचानी हुई बीमारी है। इसका इलाज होना चाहिए और इसे खत्म किया जाना चाहिए और इसे फैलने नहीं दिया जा सकता। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एक और आम चलन है कि कुछ मामलों में दलीलें सुनी जाती हैं और फिर उन्हें आगे के निर्देशों के लिए लिस्ट कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वह हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के साथ अपनी आगामी बैठक में यह मुद्दा उठाएंगे। सीजेआई ने कहा कि हम अन्य मुद्दों के साथ इस पर भी चर्चा करेंगे। हम कोई ऐसा समाधान निकालने की कोशिश करेंगे, जिससे इस तरह के टाले जाने वाले मुकदमे खत्म हो जाएं। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर अपने 15 साल के करिअर में मैंने कभी भी कोई फैसला सुरक्षित नहीं रखा और तीन महीने में फैसला नहीं सुनाया। पीठ ने अपने आदेश में मामले के तथ्यों का जिक्र करते हुए कहा कि झारखंड हाईकोर्ट ने 4 दिसंबर 2025 को फैसला सुनाया था, जिसमें रिट याचिका खारिज कर दी गई थी। फैसला अपलोड नहीं किया गया है। हमने हाईकोर्ट की तरफ से पेश वकील को बताया है कि इस देरी का कोई कारण नहीं है। अगले हफ्ते के आखिर तक वकील को पूरा फैसला दे दिया जाए।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर उन्होंने अपने 15 साल के करिअर में कभी भी कोई फैसला सुरक्षित नहीं रखा और तीन महीने में फैसला नहीं सुनाया। सीजेआई ने कहा कि हम कोई ऐसा समाधान निकालने की कोशिश करेंगे, जिससे इस तरह के टाले जा सकने वाले मुकदमे खत्म हो जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2025 में सभी हाईकोर्ट को सुरक्षित रखे गए फैसलों का घटनाक्रम संबंधी विवरण सौंपने का निर्देश दिया था, जिसमें फैसले सुरक्षित रखने, सुनाने और अपलोड करने की तारीखें शामिल हों।

न्यूज गैलरी

खनिज विभाग की सरंडी-खंडवा में छापामार कार्यवाही, चंदन नदी से अवैध रेत उत्खनन में दो ट्रैक्टर-ट्राली जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग के अमले ने 4 फरवरी 2026 को तहसील वारासिवनी अंतर्गत चंदन नदी क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से रेत

उत्खनन एवं परिवहन कर रहे दो वाहनों को जप्त किया गया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि ग्राम सरण्डी-खण्डवा के पास चंदन नदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की शिकायत मिलने पर खनिज अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गई। जांच के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्राली खनिज रेत का अवैध रूप से उत्खनन एवं परिवहन करते पाए गए। इनमें पहला वाहन बिना नंबर का ट्रैक्टर (इंजन नंबर DB3009/SAE10147) तथा दूसरा वाहन क्रमांक CG-25-E-7715 शामिल है। दोनों वाहनों को तत्काल जप्त कर पुलिस थाना वारासिवनी की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग के अनुसार संबंधित वाहन चालकों एवं मालिकों द्वारा किया गया यह कृत्य मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम-3 का स्पष्ट उल्लंघन है। इस उल्लंघन के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है तथा खनिज नियमों के अंतर्गत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कटंगी के एसडीएम समेत राजस्व प्रशासन पर कलेक्टर मृणाल मीणा का चाबुक चला

एसडीएम,तहसीलदार,दो रीडरों पर सख्ती, दण्डात्मक कार्यवाई की चेतावनी, कलेक्टर ने कटंगी एसडीएम को कारण बताओ नोटिस जारी किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने कटंगी एसडीएम केसी ठाकुर को अभिलेख दुरुस्ती संबंधी आवेदन आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज न किया जाकर सीधे अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार की ओर जांच प्रतिवेदन के लिए प्रेषित करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। एसडीएम श्री केसी ठाकुर को 03 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नही मिलने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी। कटंगी तहसील के ग्राम जराहमोहगांव निवासी हरलाल डहरवाल द्वारा अभिलेख दुरुस्ती के लिए 27 मई 2024 को आवेदन प्रस्तुत किया गया था और इस प्रकरण का निराकरण नही होने पर उसके द्वारा सीएम हेल्पलाईन में 09 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करायी गई थी। कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा 03 फरवरी को समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि यह प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नही किया गया है। राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये जाने के बाद भी कटंगी एसडीएम न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों में अपंजीकृत प्रकरण प्राप्त हुए है। जिसके कारण कटंगी एसडीएम को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कटंगी एसडीएम के रीडर को लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस जारी

कलेक्टर मृणाल मीना ने एसडीएम कटंगी के रीडर निपेंद्र उंदीरवाडे द्वारा ग्राम जराहमोहगांव के हरलाल के पैतृक संपत्ति संबंधित रिकार्ड सुधार के लिए प्रस्तुत आवेदन को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नही करने पर उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। रीडर निपेंद्र उंदीरवाडे को 03 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नही मिलने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम जराहमोहगांव निवासी हरलाल द्वारा जमीन के रिकार्ड सुधार संबंधी आवेदन का निराकरण न होने पर सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत 207 दिवस से अधिक समय से लंबित थी। 03 फरवरी को कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा समक्ष में की गई सुनवाई के दौरान पाया गया कि यह प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नही है। जिसके कारण एसडीएम कटंगी के रीडर निपेंद्र उंदीरवाडे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

तहसील कार्यालय कटंगी के रीडर मनीष बोरकर निलंबित

कलेक्टर मृणाल मीना ने न्यायालय तहसीलदार कटंगी के रीडर सहायक ग्रेड-3 मनीष बोरकर को अपने कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय न्यायालय तहसीलदार वारासिवनी निर्धारित किया गया है। कटंगी तहसील के ग्राम जराहमोहगांव निवासी हरलाल द्वारा एसडीएम न्यायालय कटंगी में अपनी भूमि के रिकॉर्ड सुधार के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इस आवेदन पत्र को तहसीलदार कटंगी को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रेषित किया गया था, लेकिन न्यायालय तहसीलदार के रीडर मनीष बोरकर द्वारा इस प्रकरण को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नही किया गया और न्यायालयीन प्रक्रियाओं में लापरवाही करते हुए इस प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित रखा गया तथा 01 वर्ष से इस प्रकरण में पेशी भी नही होने दी गई। शासकीय कार्य में बरती गई लापरवाही के कारण कलेक्टर द्वारा रीडर श्री मनीष बोरकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कटंगी तहसीलदार राकेश प्रजापति को कारण बताओ नोटिस

कलेक्टर मृणाल मीना ने कटंगी के नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार राकेश प्रजापति को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। नायब तहसीलदार राकेश प्रजापति को 03 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नही मिलने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

03 फरवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में कटंगी तहसील के ग्राम कालीमाटी निवासी फूलनबाई बोपचे द्वारा शिकायत की गई थी कि उसके जमीन पर अन्य लोगो द्वारा अवैध निर्माण कर निस्तारी रास्ता बंद कर दिया गया है। फूलनबाई बोपचे द्वारा 28 अप्रैल 2025 को तहसीलदार कटंगी के समक्ष निस्तारी रास्ता खुलवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिस पर हल्का पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और तहसीलदार कटंगी द्वारा 26 नवम्बर को आदेश पारित कर दिया गया, लेकिन इस आदेश में खसरा नम्बर 194/4 के स्थान पर 193/3 कर दिया गया था। इस पर फूलनबाई द्वारा 15 दिसम्बर 2025 को संशोधित आदेश पारित करने के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन तहसील कार्यालय से फूलनबाई का प्रकरण गुम होने की जानकारी देकर तहसीलदार कटंगी द्वारा फूलनबाई को संशोधित आदेश नही दिया गया।

कटंगी तहसीलदार न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण में अपने पदीय कर्तव्यों एवं दायित्व निर्वहन के प्रति घोर लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर श्री मीना ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर 03 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा है।

परसवाड़ा के जंगल में वृद्ध का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के थाना परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम कुमनगांव से अरंडिया रोड के बीच जंगल क्षेत्र में एक वृद्ध व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव जंगल के पगडंडी मार्ग पर देखा गया। जिसकी सूचना मिलते ही परसवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण भी घटनास्थल पर एकत्र हो गए। डोंगरिया निवासी अशोक गिरी ने मृतक की पहचान अपने ससुर कैलाश गिरी पिता भेद गिरी 60 वर्ष नंगा टोला ग्राम नेवरगांव थाना वारासिवनी निवासी के रूप में की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश गिरी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक के परिवार में दो पुत्र और चार बेटिया हैं। सभी का विवाह हो चुका है। मृतक की एक बेटी रीता गिरी की शादी ग्राम डोंगरिया, परसवाड़ा में हुई है। बताया गया है कि कैलाश गिरी झाड़-फूंक का कार्य भी करता था। 28 जनवरी को कैलाश गिरी अपनी बेटी रीता गिरी के घर ग्राम डोंगरिया मेहमानी में आया था। जहा वह दो दिन रुका था। इसके बाद 28 जनवरी की शाम लगभग 6 बजे वह अपनी पुत्री के घर से अपने गांव नंगाटोला, नेवरगांव (वारासिवनी) जाने के लिए निकला था। डोंगरिया से ग्राम कुमनगांवङ्कअरंडिया के जंगल की पगडंडी होते हुए मुख्य मार्ग पर पहुंचा जाता है।लेकिन इसके बाद भी कैलाश गिरी अपने घर नहीं पहुंच सका।3 फरवरी की शाम कुमनगांव और अरंडिया गांव के बीच जंगल मार्ग में एक व्यक्ति का शव देखा गया। सबसे पहले इस शव को वन विभाग के एक वॉचर ने देखा था। शव काफी सड़-गल चुका था। सूचना मिलते ही परसवाड़ा पुलिस ने रात्रि में क्षेत्र को सुरक्षित कर लिये थे। 4 फरवरी को एसडीओपी अरविंद शाह, उप निरीक्षक, उप निरीक्षक घुड़नलाल अहिरवार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही जिला मुख्यालय से एफएसएल अधिकारी गौतमा मेश्राम, उप निरीक्षक मनोज तरवरे एवं फोटोग्राफर लोकेश चौकसे ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच-पड़ताल की। खबर फैलते ही आसपास के गांव के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच चुके थे। जिनमे ग्राम डोंगरिया निवासी अशोक गिरी ने मृतक की पहचान अपने ससुर कैलाश गिरी के नाम से की। मृतक कैलाश गिरी की पहचान होते ही उसके परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस द्वारा शव पंचनामा की कार्रवाई पूर्ण की गई और शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। शव की स्थिति को देखते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।बताया गया है कि शाम के समय परसवाड़ा से लामता या वारासिवनी की ओर जाने के लिए कोई नियमित साधन उपलब्ध नहीं रहता। इसके बावजूद कैलाश गिरी का शाम 6 बजे अकेले जंगल मार्ग से निकलना कई सवाल खड़े करता है। अब यह जांच का विषय है कि वह किन परिस्थितियों में जंगल मार्ग से गया और उसकी मौत कैसे हुई।फिलहाल परसवाड़ा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है और मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू से जांच, पूछताछ एवं साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

उदघाटी में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से लीलामेटा के दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर रोड उदघाटी के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों घायल युवक देवराज पिता दयाराम मर्सकोले 19 वर्ष और संजय कुमार पिता महिपाल कुर्राम 19 वर्ष दोनों ग्राम लीलामेटा थाना रूपझर निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवराज और संजय अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा बिजली फिटिंग का भी काम करते हैं। दो दिन पहले देवराज और संजय मोटरसाइकिल में ठेकेदार के बिजली फिटिंग का काम करने के लिए गोंदिया गए थे। गोंदिया में 2 दिन बिजली फिटिंग का काम करने के बाद 3 फरवरी को देवराज और संजय कुमार मोटरसाइकिल में गोंदिया से अपने घर लीलामेटा जाने निकले थे। शाम 7ः00 बजे जब दोनों बालाघाट से बैहर की ओर जा रहे थे। तभी उदघाटी के पास सामने से आ रहे एक वाहन का लाइट आंख में पढ़ने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और दोनों युवक मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल युवक को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जहां दोनों का इलाज किया जा रहा है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

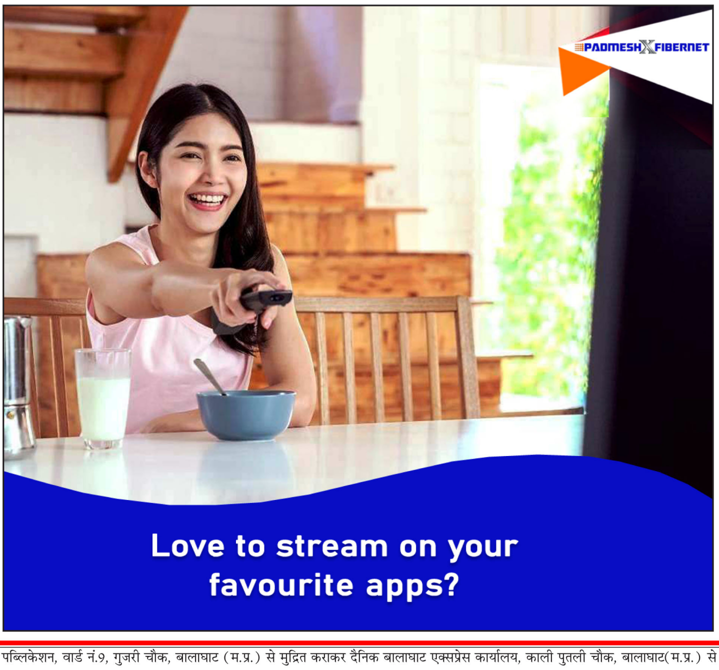

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट